आश्विन कृष्ण पक्ष-13, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 98 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 सितम्बर 2024
सोमवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

काम के दबाव के चलते मैनेजर ने फांसी लगा ली

झांसी, एजेंसी।

पुणे की मल्टीनेशनल कंपनी अर्नेस्ट यंग की चार्टर्ड एकाउंटेंट एना सेबेस्टियन पेरिइल की काम के दबाव के कारण हुई मौत के बाद सोशल मीडिया पर बहस के बीच अब झांसी में एक निजी फाइनेंस फर्म के 43 वर्षीय एरिया मैनेजर तरूण सक्सेना ने घर में फांसी लगा ली। पांच पेज के सुसाइड नोट में उन्होंने कंपनी के दो अधिकारियों को इसका जिम्मेदार ठहराया। सक्सेना ने लिखा है कि कंपनी के नैशनल मैनेजर प्रभाकर सक्सेना और एक अन्य एरिया मैनेजर वैभव सक्सेना लगातार उनको फोन पर टारगेट पूरा करने का दबाव बना रहे थे। अधिकारियों ने तरुण सक्सेना को धमकाया भी था। रविवार सुबह एक कॉन्फ्रेंस कॉल में भाग लेने के तुरंत बाद उन्होंने यह कदम उठाया। बैठकों के दौरान टारगेट पूरा न होने पर अधिकारी तरुण सक्सेना को अपमान का सामना करना पड़ता था।

खंडवा में 10 लड़कियों की अचानक बिगड़ी तबीयत

खंडवा, एजेंसी।

मध्यप्रदेश के खंडवा के रजुर गांव में स्थित कन्या शिक्षा परिसर के छात्रावास में पढ़ने वाली 10 लड़कियों की तबीयत अचानक खराब होने की वजह से उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा कि, इस छात्रावास में रविवार रात लगभग एक लड़की अचानक चिल्लाने लगी। उसी को देखते हुए अन्य नौ लड़कियां भी घबरा गई। इस वजह से वार्डन ने स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए खंडवा जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। डॉक्टर का कहना है कि सभी लड़कियों की स्थिति ठीक है, कोई चिंता करने की बात नहीं है। फूड प्वाइजनिंग जैसा कोई मामला नहीं है, क्योंकि इस तरह के लक्षण नहीं पाए गए हैं।

नए प्रशासनिक मुखिया के ऐलान का वक्त, मिश्र का दम, राजौरा के *राजेश* बनने के आसार!

मुख्यसचिव के लिए उलझे पेंच को सुलझाकर मुख्यमंत्री पहुंचे देवघर

अनुराग जैन

राजेश राजौरा

एसएन मिश्रा

भोपाल , दोपहर मेट्रो।

मप्र में प्रशासनिक गलियारों में आज सुबह से हलचल है। मामला मुख्यसचिव पद पर 'नयी तैनाती' या 'नए सिरे से पुरानी तैनाती' के बीच झूलते-झूलते निर्णय पर पहुंच रहा है। दरअसल मप्र के प्रशासनिक इतिहास में ऐसा बहुत कम हुआ है कि मौजूदा मुख्यसचिव के रिटायरमेंट के कुछ घंटे पहले तक भी नए मुखिया का नाम तय नहीं हो सका है। करीब साल भर पहले इकबाल सिंह बैंस के मामले में भी यही स्थिति बनी थी।

इस बीच मुख्यमंत्री मोहन यादव आज झारखंड के देवघर रवाना हो गये हैं। मगर इसके ठीक पहले उन्होंने राजेश राजौरा से मुलाकात की। आज उनके झारखंड में दो कार्यक्रम हैं यह दोनों भाजपा के इलेक्शन मिशन से जुडे हैं। वे देर शाम तक भोपाल लौटेंगे। जानकार सूत्रों का कहना है कि कल और आज उन्होंने इस संबंध में बातचीत की है।वे कल भी राजौरा से भी मिले थे। लेकिन एक जानकार मानते हैं कि पूरा मामला भोपाल, दिल्ली और संघ के बीच में चलता रहा है। यदि मुख्यसचिव की नियुक्ति में कोई पेंच नहीं होता तो यह आदेश काफी पहले जारी हो चुका होता। दरअसल इस पद के लिये अनुराग जैन, राजेश राजौरा और एसएन मिश्रा के नाम बहुत पुख्तगी के साथ सामने आये हैं।

साफ तौर पर राजौरा भोपाल की तो जैन दिल्ली की पसंद माने जा रहे हैं हालांकि केंद्र जैन को प्रतिनियुक्ति से वापस भेजने के लिये बहुत सहमत नहीं हैं। उधर मिश्रा के नाम पर तीसरे कोण से विचार का जिक्र उभरता रहा है। हालांकि कल दिनभर मुख्यमंत्री ने इस विषय पर हर कोण से मंथन भी किया है।आज इसके फलितार्थ का दिन है। आगामी समय में सरकार की योजनाओं के लिए सीएम को प्रशासनिक ट्यूनिंग की दरकार होगी, इसलिए राजौरा पद के काफी करीब माने जा रहे हैं। बीते कुछ समय से वे हर सरकार में महत्वपूर्ण बने हुए हैं। वे वर्ष 90 के बैच के हैं और उनके आने से 89 बैच के दावेदार अफसरों की नियुक्ति मंत्रालय के बाहर करनी होगी।

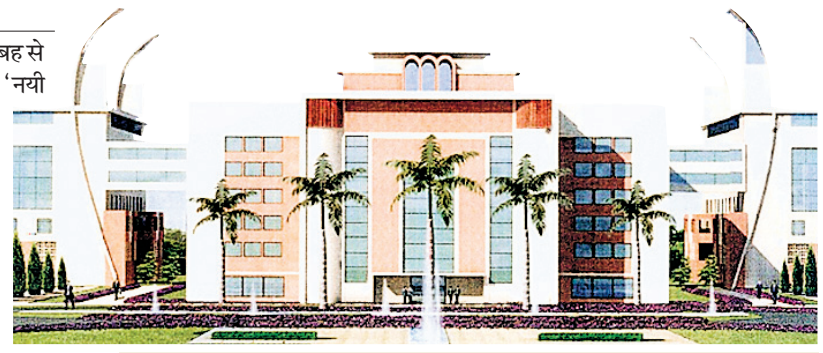

राजौरा के पास काम के 32 महीने

राजौरा के पास अभी काम के लिये 32 महीने हैं। वे मई 2027 में रिटायर होंगे। जबकि मिश्रा के पास चार महीने शेष हैं। सूत्रों का कहना है कि मौजूदा मुख्यसचिव को फिर से सेवावृध्दि देकर मौजूदा असमंजस व पेंच को टाला भी जा सकता है। इन सबके बीच अब दोपहर बाद आदेश भी जारी होने के आसार बने हैं। प्रशासनिक गलियारों में मुख्यसचिव का पदभार प्रभारी तौर पर किसी अफसर को सौंपने की भी अटकलें हैं लेकिन कई काबिल अफसरों की मौजूदगी में यह विकल्प शायद आजमाने की नौबत न बने।

सीएस के और भी दावेदार लेकिन भाग्य भरोसे

प्रशासनिक मुखिया के इस पद के लिये मप्र में मो. सुलेमान, विनोद कुमार, जेएन कंसोटिया भी दावेदार हैं लेकिन यह सभी भाग्य भरोसे ही हैं। वरिष्ठता सूची में अनुराग जैन के बाद यह नाम हैं। उल्लेखनीय है कि मप्र में मुख्यसचिव की नियुक्ति से पहले संबंधित अफसर को सीएस कार्यालय में ओएसडी बनाने की परंपरा रही है लेकिन यह परंपरा लगातार टूटती जा रही है और ऐन वक्त पर मुख्यसचिवों की नियुक्ति हो रही है।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर श्री हरजिंदर कंग ने समत्व भवन में सौजन्य भेंट की।

द्वारका एक्सप्रेस वे पर भी 'फ्री फ्लो टोलिंग' सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के बाद, देश में जल्द ही दूसरा एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा फ्री होने जा रहा है। अगले कुछ महीनों में 'फ्री फ्लो टोलिंग' सिस्टम लागू हो जाएगा। इसका मतलब है कि इस हाईवे पर कहीं भी रुककर टोल नहीं देना होगा। वाहन की स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटे होने पर भी फास्टेग स्कैन करने वाले एडवांस्ड रीडर और गाड़ियों के नंबर प्लेट पढ़ने वाले हाई-पावर कैमरे ओवरहेड गैन्ट्री पर लगाए जाएंगे। 28 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर यह सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तैयार कर रहा है। इससे सैटेलाइट आधारित टोलिंग को बेहतर ढंग से लागू करने का रास्ता साफ होगा। दुनिया भर में कई देशों में 'मल्टी-लेन फ्री-फ्लो टोलिंग' सिस्टम का इस्तेमाल हो रहा है। इससे ट्रैफिक जाम से भी निजात मिलती है। ज्ञात हो कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गैन्ट्री आधारित टोलिंग की सुविधा पहले से मौजूद है, लेकिन मेरठ में एक टोल प्लाजा है। लेकिन द्वारका एक्सप्रेसवे पर कोई टोल प्लाजा नहीं होगा। एनएचएआई बिना भुगतान वाले टोल की वसूली के लिए नए तरीके ढूंढ रहा है।

बाजार में झटके, सेंसेक्स 900 अंक फिसला

मुंबई , एजेंसी।

क्षेत्रीय बाजारों के मिले-जुले संकेतों के बीच भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी50 सोमवार को निचले स्तर पर खुले। इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, टीसीएस और आईसीआईसीआई बैंक के कारण दबाव में रहे। सुबह सेंसेक्स 900 अंक की गिरावट के साथ 84,865.79 पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी50 206 अंक गिरकर 25,973.15 पर पहुंच गया। विदेशी फंडों की निकासी और एशियाई बाजारों में कमजोरी के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट आई।

अब तक हमलावर इजयायल नसरल्लाह समेत 7 कमांडर ढेर

हिजबुल्लाह को तगडा झटका, कई जगह प्रदर्शन

तेलअवीब, एजेंसी।

सप्ताहभर से जारी हमलों इजरायली हमलों में नसरल्लाह समेत 7 कमांडरों को गंवा चुका हिजबुल्ला अब झटकों से उबरने की कोशिश कर रहा है। नसरल्लाह की मौत के बाद मिडिल ईस्ट में बड़े स्तर पर युद्ध शुरू होने का खतरा मंडराने लगा है। खास बात है कि फिलिस्तीनी समूह हमास के दक्षिणी इजरायल में हमला करने के बाद हिजबुल्ला ने उसका समर्थन किया था। इधर हिजबुल्लाह चीफ की मौत के बाद दुनियाभर के देशों में प्रदर्शन हो रहे हैं। भारत में भी कुछ जगहों पर नसरल्लाह की मौत पर प्रदर्शन हुए। लखनऊ में बीती रात शिया समुदाय के हजारों लोग सड़कों पर उतरे व कैंडल मार्च निकाला। शिया समुदाय ने 3 दिन शोक मनाने का ऐलान किया है। 1992 से ही नसरल्लाह ने इजरायल के खिलाफ लड़े युद्ध में हिजबुल्ला की अगुवाई की थी। उसने लेबनान के इस समूह को एक मजबूत अर्धसैनिक बल बनाया था।

वर्षा बाधित टेस्ट में बांग्लादेश के 6 विकेट गिरे

कानपुर , एजेंसी।

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जा रहा है। मैच का आज चौथा दिन है। इससे पहले, दूसरे और तीसरे दिन बारिश की वजह से खेल रद्द कर दिया गया था। बांग्लादेश ने चौथे दिन लंच तक पहली पारी में ने 6 विकेट के नुकसान पर 205 रन बना लिए हैं। मोमिनुल हक और मेहदी हसन मिराज नाबाद हैं। मोमिनुल हक अपना शतक पूरा कर चुके हैं। बांग्लादेश ने आज 107/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। मुकाबले के पहले दिन सिर्फ 35 ओवर का ही खेल हो सका था। इनमें बांग्लादेश ने 3 विकेट खोकर 107 रन बनाए थे। पेज 7 भी देखें।

मेट्रो एंकर केंद्र सरकार ने मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के अवॉर्ड का ऐलान किया

कोलकाता की सड़क से मुंबई-दिल्ली के राजपथ तक

नई दिल्ली , एजेंसी।

कोलकाता की सड़कों पर भटकने वाले और कई तरह के विचारों की उलझन से बाहर आकर हिंदी फिल्मों में मुकाम बना चुके अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स समारोह के दौरान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी आज केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ङ्क पर शेयर की। उन्होंने लिखा- दादा साहब फाल्के चयन जूरी ने मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए पुरस्कार देने का फैसला किया है। 8 अक्टूबर को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के दौरान उन्हें सम्मानित किया जाएगा। खास बात यह है कि मिथुन को अपनी पहली ही फिल्म मृगया (1976) के लिए बेस्ट एक्टर के नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया था। अब इस लेजेंडरी एक्टर मिथुन चक्रवर्ती को इंडियन सिनेमा में उनके योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

खास बात यह है कि खुद मंत्री वैष्णव ने भी पोस्ट में लिखा -कोलकाता की सड़कों से सिनेमा की दुनिया में ऊंचाई छूने तक, मिथुन दा की सिनेमाई जर्नी ने हर जनरेशन को इंस्पायर किया है।- मिथुन की फिल्म इंडस्ट्री में जर्नी इंस्पिरेशनल रही है। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट मूवीज देकर फैंस को एंटरटेन किया है। अपने करियर की शुरुआत में वो छोटे रोल्स में नजर आए थे। इनमें दो अंजाने, फूल खिले हैं गुलशन गुलशन में मिथुन को कम स्क्रीन स्पेस मिला। फिर 1979 में आई लो बजट फिल्म सुरक्षा ने उन्हें प्रसिद्दि दिलाई। बताया जाता है कि 80 के दशक की डिस्को डांसर फिल्म ने उस वक्त करीब सौ करोड़ की कमाई कर ली थी। उन्होंने बंगाली व भोजपुरी फिल्मों में भी काम किया है। उम्दा परफॉर्मेंस के लिए उन्हें 3 बार नेशनल अवॉर्ड मिला है।

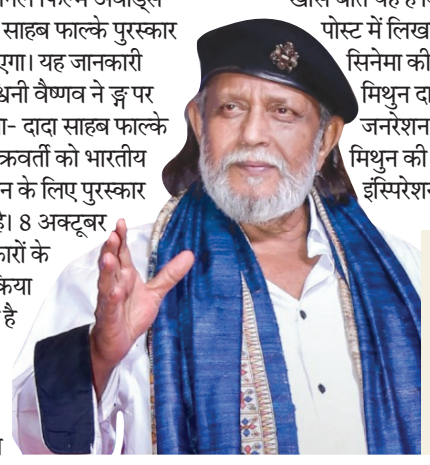

नई भूमिका में फिट होने की जद्दोजहद भी

मिथुन पेशे से एक्टर, प्रोड्यूसर और अब पॉलिटिशियन भी है। एक्टर के रूप में वे 350 से ज्यादा फिल्मों में नजर आए हैं. इनमें हिंदी, बंगाली, तमिल, भोजपुरी, तेलुगू, कन्नड़, पंजाबी मूवीज शामिल हैं। इस वक्त वे भाजपा से जुड़कर बंगाल में राजनीति कर रहे हैं। वे इस नये क्षेत्र में पैर जमाने के लिये भी कोशिश में हैं। वे तृणमूल कांग्रेस में भी रह चुके हैं। हालांकि काफी समय से वे बहुत अधिक अभिनय नहीं कर रहे हैं। बल्कि कुछ टीवी रियल्टी शो में नजर आते हैं। बीते वर्ष में बीमार भी पडे थे और अस्पताल में दाखिल रहे थे।

पहली शादी 4 महीने टिकी

मिथुन की पर्सनल लाइफ में भी शुरूआती उतारचढाव बहुत रहे। उन्होंने 1979 में एक्ट्रेस हेलेना ल्यूक संग शादी की थी,लेकिन ये रिश्ता बस महीने चला। तलाक के बाद मिथुन की जिंदगी में एक्ट्रेस योगिता बाली आईं। दोनों ने शादी की, उनके 4 बच्चे हैं जिनमें से एक बेटी गोदी ली हुई है।

इंदौर-बैतूल हाईवे पर ओवरलोड डंपर फंसने से रास्ता जाम

देवास/खातेगांव। इंदौर-बैतूल हाईवे पर खातेगांव क्षेत्र के संदलपुर फाटा में फोरलेन के अधूरे निर्माण वाले रास्ते में ओवरलोड डंपर फंसने से रविवार देर रात रास्ता जाम हो गया। देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतार लगने लगी। लंबी दूरी की यात्री बसें भी फंस गई जिससे यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। वाहन चालक राजेश यादव, शफी आदि ने बताया सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और स्थिति देखकर लौट गई। बाद में सुबह तक किसी प्रकार की कोई मदद नहीं मिलने पर वाहन चालकों ने स्वयं रूपये एकत्रित किए और जेसीबी मशीन को बुलवाकर पास में खोदाई करवाई जिससे धीरे-धीरे आवागमन सुबह करीब 8-30 बजे सुचारू हुआ।यात्रियों के अनुसार सुबह सबसे अधिक परेशानी आस-पास कोई सुविधाघर नहीं होने के कारण उठाना पड़ी।

भोपाल के सभी हिस्सों की सड़कें बर्बाद, लोनिवि और नानि के सभी दावे हवाई

सड़कें कह रहीं हैं जिम्मेदारों की लापरवाही की कहानियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी से मानसून विदा होने को है। बीते कई दिनों से बरसात भी थमी हुई है कभीकभार ही पानी बरस रहा है लेकिन शहर के लगभग सभी इलाकों की मुख्यसडके अपने हाल पर आंसू बहा रही हैं। लोकनिर्माण और नगर निगम अफसरों के सभी दावे हवाई साबित हुए हैं बमुश्किल इक्का दुक्का सड़को की ही मरम्मत की गई है। यहा तक कि प्रशासन अकादमी के सामने पचास मीटर के क्षतिग्रसत हिस्से को ही लोक निर्माण विभाग दो महीने में नहीं दुरूस्त कर पाया है। सिर्फ एक तरफ का हिस्सा हाल में पेविंग ब्लाक लगाकर सुधारा जा सका। शहर में नगर निगम की करीब 1679 किलोमीटर सड़कें कॉलोनियों की हैं। इनमें से करीब हजार किमी सड़कों की हालत बेहद खराब हैं। कई तो पांच सात साल से जर्जर हैं। लेकिन, नगर निगम के जिम्मेदारों का इनका ध्यान ही नहीं है। कोहेफिजा, लालघाटी, सेमरा रोड, साकेत नगर, अशोका गार्डन, शक्ति नगर, खानूगांव समेत शहर के अधिकतर इलाकों में कॉलोनियों की सड़कों से डामर गायब है। वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे हैं।

कोहेफिजा में ही सैफिया मस्जिद से रेगालिया हाइट्स की ओर जाने वाले करीब एक किमी सड़क में 50 से ज्यादा बड़े गड्ढे हो गए हैं। जबकि यह शहर का एक पॉश इलाका है। वहीं कोहेफिजा चौराहे को जोड़ने वाली 500 मीटर अहमदाबाद पैलेस रोड का भी 100 मीटर हिस्सा खराब है। इस हिस्से में छोटे-बड़े 30 से ज्यादा गड्ढे हो गए हैं। इधर नये भोपाल के शक्ति नगर में मार्केट के पास से कॉलोनियों को जाने वाली सभी सड़क जर्जर हालत में हैं। यहां व्यंजन रेस्टोरेंट के पास से हर ओर कॉलोनियों के लिए गई सड़क पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं।

साकेत नगर की 9-बी कॉलोनी की 50 प्रतिशत सड़कें खराब हैं। सीमेंट कंक्रीट की सड़कों को छोड़ डामर की सड़कों की हालत खस्ता हो चुकी है। 9-बी कॉलोनी में ही डामर की सड़क पर छोटे-बड़े गड्ढे हो गए हैं। अवधपुरी की कंचन नगर कॉलोनी की सड़क सालों से खराब है। यहां 30 से ज्यादा गड्ढे हैं। जिस कारण रोजाना गुजरने वाली बड़ी आबादी परेशान हो रही है। इसके अलावा बारिश में यहां सड़क के गड्ढों में पानी भर जाता है, जानकारों का कहना है कि ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने से सड़के बरबाद हो रही हैं। खास बात यह कि सडकों व ड्रेनेज सिस्टम के लिये नगर निगम ही जिम्मेदार है लेकिन वह दोनों मोर्चे पर ध्यान नहीं दे रहा।

संबल योजना से मिलेगी ढाई लाख छात्रों को राहत, नहीं लगेगी फीस

प्रवेश नीति में संशोधन करने का लिया मंडल ने निर्णय, पहले कर दी थी छूट समाप्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के ढाई लाख स्कूली विद्यार्थियों के लिए काम की खबर है। अब संबल योजना के तहत मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल के ढाई लाख छात्रों को परीक्षा शुल्क से छूट मिलेगी। मंडल इसके लिए प्रवेश नीति में त्रुटि का संशोधन करेगा। बताया जा रहा है कि संबल योजना के तहत संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के करीब ढाई लाख विद्यार्थी हर साल परीक्षा में शामिल होते हैं। इस बार मंडल की प्रवेश नीति में संबल योजना के ढाई लाख विद्यार्थियों की परीक्षा फीस में छूट समाप्त कर दी गई है। इससे विद्यार्थी परेशान हैं। अब मंडल ने प्रवेश नीति में संशोधन करने का निर्णय लिया है। इससे संकल योजना के छात्रों की की परीक्षा फीस नहीं लगेगी। सरकार ने निर्देश दिए थे कि संबल योजना के तहत पात्र दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों को परीक्षा फीस नहीं लगेगी। जितनी फीस होगी, वह मंडल बहन करेगा। इस राशि का भुगतान राज्य सरकार द्वारा मंडल को किया जाएगा। हालांकि राज्य सरकार ने माशिमं को संबल योजना के विद्यार्थियों की फीस अब तक नहीं दी है। मंडल द्वारा हर साल करीब 26 करोड़ रुपए की राशि वहन की जा रही है। यह राशि करीब डेढ़ सौ करोड़ के आसपास हो चुकी है। मंडल द्वारा कई बार शासन को फीस की प्रतिपूर्ति करने के लिए पत्र भी लिखा गया, लेकिन उनकी तरफ से कोई जबाव नहीं मिला।

18 लाख से अधिक परीक्षार्थी होते हैं शामिल

उल्लेखनीय है कि मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं परीक्षा में प्रतिवर्ष 18 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल होते हैं। दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों की परीक्षा फीस 1200 रुपए है। करीब पंद्रह सालों से एससी-एसटी वर्ग के विद्यार्थियों को परीक्षा फीस में पूरी छूट मिलती है। शासन के निर्देशों के बाद वर्ष 2018 से संबल योजना के विद्यार्थियों को भी परीक्षा फीस में छूट दी जा रही है। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं के परीक्षा फार्म सामान्य शुल्क 12 सौ रुपए के साथ तीस दिसंबर तक जमा होंगे। इसके बाद विलंब शुल्क लगना शुरू होगा। 11 दिसंबर के बाद विलंब शुल्क 12 हजार रुपए तक हो जाएगा।

सितंबर में डेंगू के 127 और चिकनगुनिया के 58 मामले

राजधानी में तेजी से बढ़ रहा डेंगू और चिकनगुनिया का प्रकोप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

डेंगू और चिकनगुनिया का प्रकोप राजधानी में तेजी से बढ़ रहा है। स्थिति यह है कि दोनों ही बीमारियों के पॉजिटिव रेट 10 फीसदी तक पहुंच गया है। बीते दो दिन में डेंगू के 17 और चिकनगुनिया के 10 नए मामले दर्ज हुए हैं। यह दोनों रोग बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को प्रभावित कर रहे हैं। राजधानी में चिकनगुनिया के मामले सितंबर माह में तेजी से बढ़े हैं। इस साल अब तक कुल 109 लोग चिकनगुनिया से ग्रसित पाए गए। जिसमें से 58 मैरिज अकेले सितंबर माह में अब तक सामने आए। बीते दो दिन में लगभग 100 लोगों की चिकनगुनिया की जांच हुई जिसमें से 10 की रिपोर्ट पॉजीटिव आई। इस साल अब तक डेंगू के 341 मामले सामने आ चुके हैं। जिनमें से 127 अकेले सितंबर में दर्ज हुए। वहीं, इस साल अब तक 11 मलेरिया के मामले भी दर्ज किए गए हैं।

मुंबई की नाटक निर्देशक को अगनानी रंगमंच सम्मान

भारत भवन में मंचित हुए छह हास्य व्यंग्य प्रधान सिंधी नाटक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत भवन के अंतरंग रंगमंच सभागृह में 28 और 29 सितंबर को 6 सिंधी हास्य नाटक प्रस्तुत किए गए। इनकी पेशकश भोपाल, इंदौर, मुंबई, नागपुर और जयपुर के रंग कर्मियों द्वारा की गई। अगनानी परिवार और सिंधी रंग समूह संस्था द्वारा सिंधी साहित्य अकादमी और भारत भवन न्यास के सहयोग से यह दो दिवसीय समारोह संपन्न हुआ। इस समारोह में मुंबई की वरिष्ठ रंगमंच निर्देशक और पोगो डिज्नी जैसे अनेक कार्यक्रमों में ध्वनि देने वाली आर्टिस्ट जूली तेजवानी को सम्मानित किया गया। जूली को स्व सुंदर अगनानी रंगमंच सम्मान प्रदान किया गया। गत वर्ष सुंदर अगनानी स्मृति प्रथम सिंधी नाट्य समारोह में यह पुरस्कार फिल्म और टीवी अभिनेता श्रीचंद माखीजा (नुक्कड़ फैम) को मिला था। समारोह संयोजक मनोहर अगनानी ने बताया कि आगामी वर्ष भोपाल के वरिष्ठ रंगमंच निर्देशक अशोक बुलानी को सुंदर अगनानी स्मृति रंगमंच सम्मान दिया जाएगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी चंद्र लालचंदानी,सिंधी अकादमी के निदेशक राजेश कुमार वाधवानी, प्रख्यात शिशु रोग सर्जन डॉक्टर के एस बुधवानी ,स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ छाया बुधवानी, बी डी इसरानी, समाजसेवी राजेंद्र मनवाणी, राज मनवाणी, सहित अनेक रंगमंच कलाकार साहित्य और कला प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अशोक मनवाणी ने किया। इस अवसर पर छह नाटकों के प्रतिभागी निर्देशकों का सम्मान भी किया गया।

पुलिस आरक्षक भर्ती-2023

शारीरिक दक्षता परीक्षण की तिथि परिवर्तन, अब 30 सितम्बर, 1 व 2 अक्टूबर

भोपाल। मप्र पुलिस मुख्यालय द्वारा पुलिस आरक्षक भर्ती वर्ष 2023 के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण की तिथि परिवर्तन को लेकर नए आदेश जारी किए गए हैं। नोटिफिकेशन के अनुसार, 26, 27 एवं 28 सितम्बर, 2024 को हुई भारी बारिश के कारण पुलिस आरक्षक (जीडी) एवं (रेडियो) की भर्ती वर्ष 2023 के शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए तैयार मैदान उपयुक्त न रह जाने के कारण 30 सितंबर, 1 व 2 अक्टूबर को होने वाले शारीरिक दक्षता परीक्षण की तिथियां पुनर्निर्धारित की गई हैं। अब इन तिथियों पर होने वाला शारीरिक दक्षता परीक्षण 18, 19 व 20 नवंबर को होगा। परीक्षण केंद्र, स्थान एवं शेष तिथियों में कोई परिवर्तन नहीं किया है। संबंधित अभ्यर्थी संशोधित दिनांक का प्रवेश-पत्र कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाइट से डाउनलोड कर, परीक्षण में शामिल हो सकेंगे।

सीएमएचओ ने सिविल अस्पताल अधीक्षक को दिया कारण बताओ नोटिस

सफाई न मिलने और अतिक्रमण पर कार्रवाई न करने पर जताई नाराजगी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल द्वारा सिविल अस्पताल बैरागढ़ के निर्माणाधीन मेटरनिटी विंग का निरीक्षण किया गया। अस्पताल में 100 बिस्तरीय नवीन मेटरनिटी विंग का निर्माण किया जा रहा है। जिससे संत हिरदाराम क्षेत्र सहित आसपास के क्षेत्र की बड़ी आबादी को उच्च गुणवत्ता युक्त प्रसव एवं शिशु देखभाल सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। निरीक्षण के दौरान निर्माणाधीन भवन में साफ-सफाई न होने और अस्पताल परिसर के आस-पास अतिक्रमण मिलने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल द्वारा अस्पताल अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण में मेटरनिटी विंग के लेबर रूम, मॉड्यूलर ओटी, एचडीयू, एनबीएसयू, पीआईसीयू, पार्किंग व्यवस्था, फायर फाइटिंग सिस्टम, ऑक्सीजन सप्लाई की स्थिति की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में अनुपयोगी सामग्री का परिसर में पड़े रहने तथा अतिक्रमण के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई न किए जाने पर अस्पताल अधीक्षक डॉ. जे.के. जैन को नोटिस दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि सिविल हॉस्पिटल बैरागढ़ में नवीन 100 बिस्तरीय मेटरनिटी विंग का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। दिसंबर तक कार्य पूर्ण होना संभावित है। अस्पताल को अनुपयोगी सामग्री का नियम अनुसार अपलेखन एवं निपटान करने तथा अतिक्रमण को चिन्हित कर जिला प्रशासन एवं अन्य एजेंसियों के साथ सामंजस स्थापित कर हटाए जाने के लिए निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। इसके बावजूद कार्रवाई न किए जाने पर नोटिस जारी किया गया है।

सामाजिक संस्थाओं ने आयोजित की श्रद्धांजलि सभा

समाजसेवी नारी की सेवाओं को याद किया, पुष्पांजलि अर्पित

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के समाजसेवी, विक्रमादित्य महोत्सव समिति के महासचिव एवं झूलेलाल मंदिर के ट्रस्टी सहित अनेक धार्मिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े नारी तनवानी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। झूलेलाल मंदिर में आयोजित इस सभा में विक्रमादित्य महोत्सव समिति के अध्यक्ष किशोर तेजवानी ने कहा कि श्री नारी तनवानी के जाने से जो स्थान रिक्त हुआ है, उसे भरना असंभव है क्योंकि वे जिस तरह से विक्रमादित्य महोत्सव में लगातार चार दिन 24 घंटे सेवाएं देते थे, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस मौके पर संत वासूराम दरबार के गद्दीनशीन संत पुरूषोतम वासवानी ने कहा कि चाहे किसी भी प्रकार का धार्मिक प्रोग्राम हो, उसमें नारी तनवानी की उपस्थिति रहती थी। पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव माधु चादंवानी, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, प्रवक्ता महेश खटवानी, पूर्व भाजपा पार्षद माखन सिंह राजपूत, झूलेलाल चालीहा महोत्सव समिति के संयोजक पुरूषोतम हरचंदानी, मनोहर वीधानी एवं रमेश कुमार रीझवानी ने भी भावांजलि अर्पित की। समाज सेवी ईश्वरदास हिमथानी, लखमीचंद नरियानी, नरेश चोटरानी, जेठानंद मूलचंदानी, नंदलाल दादलानी, ओमप्रकाा रीझवानी के अलावा स्व. नारी तनवानी के परिजनों ने भी छाया चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

मेट्रो एंकर | प्रशिक्षण के बाद चार फीसदी ब्याज पर ऋण भी देगी

सिंधी पंचायत क्रेडिट सोसाइटी सिंधी कढ़ाई कारीगरी का प्रशिक्षण देगी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी सेंट्रल पंचायत एवं पंचायत की क्रेडिट सोसायटी ने समाज से विलुप्त हो रही 'सिंधी कढ़ाई कारीगरी' को रोजगार से जोड़ने के लिए दो माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। उद्देश्य युवतियां एवं महिलाएं आत्मनिर्भर बनाना है। सोसायटी अध्यक्ष बलदेव खेमानी ने बताया कि समाज से विलुप्त हो रही 'सिंधी कढ़ाई कारीगरी' को संरक्षित करने एवं समाज की बहन-बेटियों/महिला वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से आगामी दो माह में प्रशिक्षण के दृष्टिकोण से एक संयुक्त कार्यशाला आयोजित करेंगे, जिससे समाज इच्छुक एवं जागृत बहन-बेटिया / महिलाएं इसका लाभ प्राप्त कर सके एवं प्रशिक्षित होकर इसे घर बैठकर रोजगार से जोड़ सकेंगी। समाज का महिला वर्ग पहले से ही पढ़ा लिखा एवं जागरूक है, ऐसी स्थिति में पंचायत चाहती है कि समाज की बहन-बेटिया / महिला वर्ग समाज से विलुप्त हो रही कढ़ाई को भी घर बैठकर रोजगार के रूप में देखें। क्रेडिट सोसासायटी ऐसी प्रशिक्षित महिलाओं को न्यूनतम 4 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण भी उपलब्ध करायेगी, जिससे वे कढ़ाई को आसानी से रोजगार से जोड़ पायेगी । क्रेडिट सोसायटी आगामी वित्तीय वर्ष में अपने नाम एवं ब्राण्ड से आलुचिप्स/पापड़ से संबंधित लघु उद्योग स्थापित एवं संचालित करने पर भी विचार कर रही है, इसका उद्देश्य भी समाज की कमजोर वर्ग की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिये एक-पृथक प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है इसकी व्यवस्था प्रशिक्षित महिलावर्ग के हाथ में दी जावेगी । वहीं सोसायटी की साधारण सभा की बैठक भी रविवार को हुई, जिसमें पंचायत के संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष भगवानदेव इसरानी, पंचायत के वर्तमान अध्यक्ष किशोर तनवानी, महासचिव हरीश नागदेव एवं पंचायत के पदाधिकारीगण व जीसी केवलरमानी पूर्व अपर आयुक्त, क्रेडिट सोसायटी के अध्यक्ष बलदेव खेमानीजी, उपाध्यक्ष राजेन्द्र राजपाल, उपाध्यक्ष सकुनदेव रखयानी, संचालकगण केएल दलवानी, सुरेश वाधवानी, बीडी भारवानी, विकास मेंघानी, लखन दादलानी, हरीश ज्ञानचन्दानी, मीना भागचन्दानी, वर्षा कोटवानी एवं अन्य कई गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रहे।

आरजीपीवी में प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए हुआ ओरिएंटेशन प्रोग्राम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की घटक संस्था यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग में प्रथम वर्ष के कंप्यूटर साइंस विभाग के छात्रों द्वारा ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान वृक्षारोपण का कार्यक्रम विभाग में किया गया। इस अवसर पर विभाग अध्यक्ष डॉ. मनीष अहिरवार साहब ने बताया कि यह विभाग ने कई कृतिमान स्थापित किए हैं हमारे यहां के छात्रों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभाग एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर विभाग के एकेडमिक इंचार्ज प्रोफेसर उदय चौरसिया ने बताया कि विभाग 1986 का सबसे पुराना विभाग है एवं छात्रों से रूबरू होते हुए उन्होंने बताया कि हमारे विभाग के छात्रों ने गेट जैसे राष्ट्रीय एग्जाम में द्वितीय स्थान अर्जित किया एवं एवं छात्रों का प्लेसमेंट अच्छे पैकेज में हुआ है उन्होंने यह भी बताया कि आप सभी छात्र मध्य प्रदेश के अच्छे रैंक के छात्र कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग में आए हैं और भविष्य में विश्व में, प्रदेश में, देश में अपना परिवार का एवं अपना नाम रोशन करेंगे एवं संस्था का भी नाम रोशन करेंगे।

प्रो. सिंघई को होंगे देवी अहिल्या विवि के कुलगुरु

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के कुलगुरु के पद पर प्रोफेसर राकेश सिंघई को नियुक्त किया है। यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, (राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) शिवपुरी के निदेशक प्रोफेसर सिंघई का देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के कुलगुरु के पद पर कार्यकाल उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से चार वर्ष की कालावधि अथवा 70 वर्ष की आयु जो भी पूर्वतर हो रहेगा।

मप्र व छत्तीसगढ़ समेत 7 राज्यों ने घोषित नहीं किए नए टाइगर रिजर्व, केंद्र का डंडा

रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को करना है रिजर्व घोषित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्यों में जिस तेजी से बाघों की संख्या बढ़ रही है, उस तेजी से उनकी सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। इसमें मप्र व छत्तीसगढ़ समेत 7 राज्य है जिन्हें अपने राज्य के सामान्य क्षेत्रों में बढ़ती संख्या को सुरक्षा कवर देने के लिए नए टाइगर रिजर्व घोषित करने थे लेकिन ये ढिलाई बरत रहे हैं। अब केंद्र इन राज्यों को डंडा कर रहा है, तब थोड़ी हलचल बढ़ी है लेकिन कब तक रिजर्व बनेंगे, यह तय नहीं है।

राष्ट्री य बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के अनुसार मप्र के रातापानी वन्यजीव अभयारण्य को एनटीसीए ने 21 मई 2008 से सैद्धांतिक अनुमति दे रखी है। तब से लेकर अब तक यहां बाघों की संख्या बढ़कर 60 से 70 हो चुकी है, ये बाहर निकल रहे हैं, लोगों को नुकसान तो पहुंच ही रहा है, खुद बाघों की जान पर भी बन आती है। पिछले 11 वर्षों में 7 बाघ तो आपसी संघर्ष में ही खत्म हो गए तो इतने की ही रेल पटरियों में कटकर जान गई। विशेषज्ञों के मुताबिक टाइगर रिजर्व घोषित होने से जंगल का दायरा तो बढ़ता ही, साथ में जंगल के भीतर शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या बढ़ती, जिसके कारण बाघों को शिकार के लिए भटकना नहीं पड़ता और इस तरह मौतों को कम किया जा सकता था। एनटीसीए ने असम में कार्बी आंगलोंग वन क्षेत्र को 6 अक्टूबर, 2022, अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वन्यजीव अभयारण्य को 1 सितंबर 2021 को, बिहार के कैमूर वन्यजीव अभयारण्य को 23 नवंबर 2021 को, छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगिया डब्ल्यूएलएस को 1 सितंबर 2021 को, ओड़ीसा के सुनाबेड़ा वन क्षेत्र को 21 मई 2008 को और कर्नाटक के एमएम हिल्स वन्यजीव अभयारण्य को 26 अगस्त 2014 को रिजर्व बनाने की सैद्धांतिक सहमति दी थी। जनवरी में केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने इन राज्यों को पत्र लिखकर कार्रवाही पूरी करने का आग्रह भी किया था। इतना ही नहीं, 6 जुलाई 2024 को एनटीसीए ने भी पत्र लिखकर कार्रवाही जल्द पूरी करने को कहा था लेकिन ढिलाई बरती जा रही है।

6 जुलाई 2024 को एनटीसीए ने भी पत्र लिखकर कार्रवाही जल्द पूरी करने को कहा

16 वर्षों में पहली बार आगे बढ़ी कार्रवाही, तब भी अफसर देरी कर बैठे

रातापानी को रिजर्व बनाने का यह मामला 16 वर्षों से ठंडे बस्ते में था जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कामकाज संभालते ही हरी झंडी दे दी थी। 11 मार्च व 11 जून 2024 को हुई राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की बैठकों में प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के निर्देश भी दिए हैं। तब भी शासन स्तर पर ढिलाई बरती गई और अंततः अब तक रिजर्व रातापानी रिजर्व घोषित नहीं हुआ।

एनएसयूआई ने की यूजीसी से शिकायत

निजी विवि के नाम पर फर्जीवाड़ा

खुलेआम बांट रहे डिग्री, एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने की शिकायत, फर्जी विवि को बंद कर कानूनी कार्यवाही की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एनएसयूआई ने फर्जीवाड़े की शिकायत यूजीसी से की है। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने आरोप लगाया है कि मध्य प्रदेश में खुलेआम फर्जी डिग्रियां बांटी जा रही है। परमार ने इस संबंध में यूजीसी के अध्यक्ष को पत्र लिखा है। परमार ने मध्यप्रदेश के समस्त निजी विश्वविद्यालयों की जांच कर फर्जी विश्वविद्यालयों को बंद कर कानूनी कार्यवाही की मांग की हैं। परमार ने यूजीसी को संबोधित पत्र में बताया है कि निजी विश्वविद्यालय यूजीसी की गाइडलाइन का पालन नहीं कर रहें हैं। प्रदेश में 53 निजी विश्वविद्यालय हैं जिसमें से मप्र निजी विनियामक आयोग ने 32 विश्वविद्यालयों के कुलपति (कुल गुरूओं) को अमान्य करार देते हुए तत्काल हटाने के निर्देश भी दिए थे। परमार ने शिकायत में कहा कि मध्यप्रदेश में शिक्षा माफियाओं द्वारा फर्जी निजी विश्वविद्यालय संचालित किए जा रहें हैं जोकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के विरुद्ध संचालित हो रहे हैं।

70 फीसदी से ज्यादा निजी विवि कागजों में संचालित: परमार ने अपनी शिकायत में कहा गया है कि मध्यप्रदेश के 70 फीसदी से ज्यादा निजी विश्वविद्यालय सिर्फ कागजों में संचालित हो रहें इन विश्वविद्यालयों के पास ना तो नियमानुसार स्टाफ हैं ना नियमानुसार भवन हैं। फर्जी विश्वविद्यालयों में स्टाफ सिर्फ कागजों में ही वहीं प्रदेश के 32 विश्वविद्यालय में तो कुलपति भी अयोग्य हैं पिछले दिनों मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग , भोपाल द्वारा नोटिस जारी कर 15 दिन के अंदर योग्य कुलपति नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि जब 32 विश्वविद्यालयों में योग्य कुलपति ही नहीं है तो फिर अन्य स्टाफ कैसे योग्य होंगे ।

साल भर प्रवेश लिए जाते हैं

परमार ने कहा कि प्रदेश के कई विश्वविद्यालय तो फर्जी पते पर संचालित हो रहे जैसें कि छात्र छात्राओं के प्रवेश भोपाल शहर बोल कर लिया जाता हैं जबकि कालेज रायसेन विदिशा सीहोर में संचालित हो रहा होता हैं और फर्जी विश्वविद्यालयों द्वारा सत्र में प्रवेश का कोई समय निर्धारित नहीं हैं साल भर प्रवेश लिए जाते हैं और कई फर्जी विश्वविद्यालयों का तो डिग्री बेचने का गोरखधंधा भी खुलेआम चल रहा हैं मध्यप्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों के भविष्य के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ किया जा रहा हैं।

आरटीई: स्कूल संचालकों और विभाग के बीच उलझी 40 हजार सीटें खाली, प्रवेश होगा मुश्किल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत आने वाली प्रदेश के निजी स्कूलों की करीब 40 हजार सीटें खाली हैं।?आरटीई के तहत प्राइवेट स्कूलों की पहली या प्रारंभिक कक्षा की पच्चीस फीसदी सीटों पर गरीब बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है। इनकी फीस सरकार द्वारा भरी जाती है। प्रदेश के करीब 23 हजार प्राइवेट स्कूलों की लगभग सवा लाख सीटों पर आरटीई के तहत प्रवेश के लिए 21 फरवरी 2024 को समय सारिणी जारी की गई थी। पहले चरण यह में प्रदेश भर के लगभग 23 हजार प्राइवेट स्कूलों में 84 हजार विद्यार्थियों को प्रवेश मिला था। इसी में आरटीई की प्रवेश प्रक्रिया का प्रदेश के कई सीबीएसई स्कूल विरोध कर रहे थे।

दूसरे चरण की तैयारियों के बीच निजी स्कूल मामले को लेकर हाईकोर्ट चले गए हैं। जिसके बाद हाईकोर्ट ने निजी स्कूल संचालकों से प्रवेश के बतीय और वर्ष संबंध में पांच साल का रिकार्ड मांगा है। हाईकोर्ट ने विवाद की स्थिति को देखते हुए राज्य शिक्षा केंद्र के 21 फरवरी 2024 के जारी आदेश पर अगली सुनवाई तक स्टे दिया था। मामले की हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। जानकारों की माने तो हाईकोर्ट में मामला सुलझने के बाद भी शैक्षणिक सत्र का समय निकल जाने के कारण खाली रह गई सीटों पर प्रवेश अब मुश्किल नजर आ रहा है।

विश्व फार्मासिस्ट दिवस पर बीयू में हुए कार्यक्रम

भोपाल। विश्व फार्मासिस्ट दिवस के उपलक्ष्य में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग द्वारा 25 से 27 सितंबर तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय आयोजन का उद्देश्य फार्मासिस्टों की स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानना और बढ़ावा देना था। आयोजन में वृक्षारोपण अभियान, विभिन्न प्रतियोगिताएं और विशेषज्ञों के व्याख्यान मुख्य आकर्षण रहे।समारोह के मुख्य अतिथि संजय कुमार जैन, अध्यक्ष, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, मप्र थे, जिन्होंने अपने उद्बोधन में फार्मेसी के क्षेत्र में फार्मासिस्टों के बढ़ते महत्व और उनके योगदान पर जोर दिया। इस अवसर पर कुलगुरू प्रो. सुरेश कुमार जैन भी उपस्थित थे। कुलगुरू जैन ने छात्रों को फार्मेसी क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा, फार्मेसी से संबंधित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें पोस्टर प्रेजेंटेशन ऐवम नारा प्रतियोगिता शामिल थे।

मेट्रो एंकर मंत्री शाह के आदेश पर संभागीय उपायुक्तों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी

छात्रावासों का निरीक्षण करेगी संभाग स्तरीय टीम, हर सप्ताह तैयार होगी रिपोर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जनजातीय कार्य विभाग की सभी संस्थाओं के सघन निरीक्षण के लिये संभाग स्तरीय दल गठित किये जायेंगे। यह दल जनजातीय विद्यार्थियों के स्कूल, छात्रावासों, आश्रम शालाओं, कन्या शिक्षा परिसरों, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) एवं अन्य संस्थाओं का नियमित रूप से निरीक्षण करेंगे। इन दलों द्वारा दिये गये निरीक्षण प्रतिवेदन पर समुचित कार्यवाही कर विभागीय संभागीय उपायुक्त हर शुक्रवार को आयुक्त, जनजातीय कार्य को पालन प्रतिवेदन देंगे। जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह के निर्देश पर आयुक्त, जनजातीय कार्य सह सचिव, मप्र स्पेशल एण्ड रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी द्वारा सभी संभागीय उपायुक्तों को इसके विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। प्रदेश में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, सागर, जबलपुर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम एवं चंबल में जनजातीय कार्य विभाग के संभागीय उपायुक्त कार्यरत हैं।

निरीक्षण दल को वाहन सहित अन्य सुविधाएं: आयुक्त, जनजातीय कार्य ने बताया कि संभागीय उपायुक्त अपने-अपने संभाग में स्थित सभी विभागीय संस्थाओं के निरीक्षण के लिये संभाग स्तर पर एक निरीक्षण दल का गठन करेंगे। इस निरीक्षण दल में एक महिला मंडल संयोजक (नेतृत्वकर्ता), संबधित जिले के एक प्रतिनिधि के साथ ही एक सहायक कर्मचारी भी होगा। संभागीय उपायुक्त-जिलाधिकारी इस निरीक्षण दल को वाहन उपलब्ध कराएंगे। आयुक्त, जनजातीय कार्य ने बताया कि यह निरीक्षण दल विद्यार्थियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनेगा एवं उनकी समस्याओं का समाधान भी करेगा। कन्या छात्रावासों में छात्राओं की सुरक्षा के लिये उठाये गये कदमों जैसे महिला सुरक्षाकर्मी, बाऊंड्रीवाल की उपलब्धता, अधीक्षिका की उपस्थिति आदि बिन्दुओं पर भी निरीक्षण दल विशेष रूप से निगरानी करेगा। दल विद्यार्थियों को पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के लिये प्रोत्साहित करेगा।

निरीक्षण दल फिजिकल प्रोग्रेस व कैरियर काउंसलिंग भी: संभाग स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा विद्यार्थियों से उनकी विषयगत रूचि एवं कैरियर संबंधी चर्चा भी करेगा। साथ ही विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिये आवश्यकतानुसार काउंसलिंग करते हुए उन्हें मार्गदर्शन भी देगा। दल निरीक्षण तिथि का पूरा वक्त विद्यार्थियों के साथ ही व्यतीत कर उनकी छात्रावासी दैनिक गतिविधियों में भागीदारी भी करेगा।

महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों, साइबर अपराधों की भी देंगे जानकारी

दल द्वारा छात्राओं को महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों, साइबर अपराधों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। निरीक्षण के दिन यह दल विद्यार्थियों के साथ भोजन भी करेगा। छात्रावास की व्यवस्थाओं के साथ ही विद्यार्थियों की अभिरूचि, भोजन, स्वास्थ्य, पढ़ाई-लिखाई, खेल-कूद, व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं अन्य समस्याओं के बारे में हर विद्यार्थी से अलग-अलग चर्चा करना भी इस दल का दायित्व होगा। दल यह सुनिश्चित करेगा कि विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान छात्रावास के अमले का कोई भी व्यक्ति वहाँ न रहे, ताकि विद्यार्थी खुलकर अपनी बात रख सकें।

प्रदेश में 32 हजार से अधिक संस्थाएं

प्रदेश में जनजातीय कार्य विभाग के अधीन 22 हजार 913 प्राथमिक शालाएं, 6 हजार 788 माध्यमिक शालाएं, 1 हजार 109 हाई स्कूल शालाएं, 804 उच्चतर माध्यमिक शालाएं, 94 सीएम राइज स्कूल, 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 82 कन्या शिक्षक परिसर, 8 आदर्श आवासीय विद्यालय, 183 छात्रावास, 177 आश्रम शालाएं, 26 क्रीडा परिसर, विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिये 5 पीवीटीजी कौशल विकास केन्द्र एवं 3 जनजातीय संग्रहालय (भोपाल, जबलपुर एवं छिंदवाड़ा में) संचालित हैं।

संपादकीय

निर्णायक संघर्ष की जिद

इजराइल के लडाकू तेवर अब दुनिया को डराने लगे हैं। क्योंकि वह कुछ दिन से हमास और हिजबुल्ला के खिलाफ आरपार की लड़ाई में जुटा है और यहां तक कह चुका है कि वह कहीं भी पहुंच सकता है। इसका आशय साफ है कि वह जिन्हें दुश्मन मानता है उनसे निणार्यक लडाई लड रहा है। हमास के प्रमुख को उसने कुछ दिनों पहले मार गिराया था। अब उसके हवाई हमले में हिजबुल्ला के प्रमुख हसन नसरल्लाह के मारे जाने की पुष्टि हो गई है। इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में निशाने बना कर हिजबुल्ला के ठिकारों पर हमले किए। उसमें हिजबुल्ला के मुख्यालय पर बंकरभेदी बम गिराए गए, जिसमें नसरल्लाह मारा गया। इसे इजराइल की बढ़ी कामयाबी माना जा रहा है। अब भी इजराल हिजबुल्ला को पूरी तरह खत्म करने पर अड़ा हुआ है। पिछले हफ्ते अमेरिका और ब्रिटेन आदि इजराइल के समर्थक पश्चिमी देशों ने कोशिश की थी कि इक्कीस दिनों के लिए इजराइल हमले रोक दे। मगर राष्ट्रपति बेजामिन नेतन्याहू ने उस प्रस्ताव को सीधे-सीधे ठुकरा दिया और कहा कि जब तक वह हिजबुल्ला को खत्म नहीं कर लेगा, तब तक हमले बंद नहीं करेगा। वह संकल्प उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मंच से भी दोहरा दिया। नसरल्लाह के मारे जाने के बाद मध्यपूर्व में स्थितियां गंभीर हो सकती हैं। ईरान ने आपातकालीन बैठक बुलाई है। अगर वह सीधे इस संघर्ष में कूदता है, तो सचमुच युद्ध खतरनाक रूप ले सकता है। अभी तक ईरान इस संघर्ष में नरम रुख अख्तियार किए था, पर अब उस पर दबाव बढ़ेगा। हालांकि अप्रैल में इजराइल ने ईरान पर भी हमले किए थे, जिसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर गोले दागे थे। बाद में वह संघर्ष आगे नहीं बढ पाया। ईरान के इस संघर्ष में कूदने से बाकी अरब देशों पर भी अपनी स्थिति स्पष्ट करने का दबाव बनेगा। पेजर और रेडियो बम धमाके करके इजराइल ने पहले ही हिजबुल्ला के सैकड़ों लड़ाकों को मार और अशक्त बना कर उसकी कमर तोड़ दी थी। अब उसके प्रमुख नसरल्लाह के मारे जाने के बाद कई लोगों का मानना है कि हिजबुल्ला खत्म हो जाएगा। इजराइल ने दावा किया है कि हिजबुल्ला के हर लड़ाके पर उसकी नजर है। मगर सच्चाई यह है कि हिजबुल्ला इस हमले से कुछ हतोत्साहित जरूर हुआ है, उसकी ताकत शायद कम नहीं हुई है। अब भी उसके पास लाखों घातक हथियार जमा हैं, जिनका इस्तेमाल वह इजराइल के खिलाफ कर सकता है। इसलिए इजराइल का ज्यादा ध्यान हिजबुल्ला के हथियारों का जखीरा नष्ट करने पर है। हालांकि युद्ध में जीत का सेहरा चाहे जिसके सिर बंधे, नुकसान दोनों पक्षों के आम लोगों को झेलना पड़ता है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष जारी है, इधर इजराइल-हमास और हिजबुल्ला का संघर्ष तेज होता जा रहा है। कोरना के बाद से पूरी दुनिया आर्थिक संकटों का सामना कर रही है। आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हैं। मगर कुछ देशों की नाहक जिद और सनक की वजह से स्थितियां और चुनौतीपूर्ण हैं। खास बात यह कि अमेरिका, ब्रिटेन आदि सुरक्षा परिषद में दबदबा रखने वाले देश अपने निजी स्वार्थों और आर्थिक समीकरणों के तहत चुप्पी साधे हुए हैं। पहले गाजा पट्टी में इजराइल ने हजारों बेकसूर लोगों को मार डाला, लाखों घर ध्वस्त कर दिए, अब वही काम लेबनान में कर रहा है। वहां के आम लोगों की जिंदगी सांसत में है। आखिर उसे मानवता का तकाजा कौन याद दिलाएगा। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से यह स्पष्ट है कि युद्ध की स्थितियों को टालने में जैसी भूमिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की होनी चाहिए, वह बिल्कुल नहीं दिखी है।

शास्त्री की नीतियां अपनाकर विकसित भारत के सुनहरे सपने साकार करने के प्रयास

■ आलोक मेहता

हर वर्ष की तरह 2 अक्टूबर को महात्मा गाँधी और भारत में आत्म विश्वास और उदार आर्थिक क्रांति के जनक लालबहादुर शास्त्री को सादर नमन के साथ स्मरण किया जाएगा। महात्मा गाँधी के लिए देश दुनिया को अधिक बताने की आवश्यकता नहीं होती। शास्त्रीजी भी देश में जय जवान जय किसान के नारे को लेकर अधिक याद किए जाते हैं। उनकी ईमानदारी , त्याग और पाकिस्तान को पहले युद्ध में पराजित करके ऐतिहासिक समझौते की भी चर्चा अधिक होती है। लेकिन क्या वर्तमान राजनीतिक आर्थिक परिवर्तनों के दौर में क्या यह कहना गलत होगा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी शास्त्रीजी द्वारा शुरु की गई उदार आर्थिक नीतियों, कृषि और खाद्यान्न उत्पादन में आत्म निर्भरता, दुग्ध क्रांति, पाकिस्तान चीन को करारे जवाब देने की सुरक्षा व्यवस्था और राजनेताओं के भ्र्ष्टाचार को कठोरता से रोकने का प्रयास कर रहे हैं ? दुखद बात यह है कि कांग्रेस पार्टी ने शास्त्रीजी को मरणोपरांत समुचित सम्मान और कार्यों का श्रेय नहीं दिया। यदि प्रामाणिक तथ्यों को सामने रखा जाए तो नरसिंहा राव, मनमोहन सिंह से बहुत पहले प्रधान मंत्री के रुप में लालबहादुर शास्त्री ने ही क्र भारत को समाजवादी के नाम पर मूलतः कम्युनिस्ट विचारधारा और राजसत्ता पर नियंत्रित अर्थ व्यवस्था को बदलने के क्रन्तिकारी निर्णय लिए थे। इसलिएक्रसंभवतः प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को यह स्वीकारने में संकोच नहीं होगा कि महात्मा गाँधी के आदर्शों के साथ वह लालबहादुर शास्त्री के बताए रास्तों से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रयास कर रहे हैं।

वास्तव में, शास्त्री जी को आजादी के बाद भारत का पहला आर्थिक सुधारक कहा जा सकता है।शास्त्री जी को उनका उचित सम्मान न मिलने का एक कारण शायद यह है कि सुधारों के पहले चरण की शुरुआत करने का उनका प्रयास कई गलतफहमियों से घिरा हुआ है। उदाहरण के लिए, यह व्यापक रूप से माना जाता है कि 1966 में भारतीय रुपये के अवमूल्यन का निर्णय और क्रियान्वयन इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद किया था।यह सच है कि उनके प्रधानमंत्रित्व काल में ही रुपये का अवमूल्यन किया गया था, लेकिन भारत सरकार की फाइलों में रिकॉर्ड मिल सकता है कि मुद्रा के अवमूल्यन का निर्णय, जो एक आवश्यक कदम था, शास्त्री जी द्वारा लिया गया था। उस समय वित्त मंत्रालय में कार्यरत आई.जी. पटेल ने अपने संस्मरण में बताया था कि कैसे शास्त्री जी के प्रधानमंत्री रहते हुए मुद्रा के अवमूल्यन का निर्णय सैद्धांतिक रूप से लिया गया था और अनौपचारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को इसकी जानकारी दी गई थी। उनके वित्त मंत्री टीटी कृष्णमाचारी अवमूल्यन के निर्णय के विरुद्ध थे। वह आयात और औद्योगिक गतिविधियों पर सरकारी नियंत्रण हटाने और मुद्रा का अवमूल्यन करने के खिलाफ भी थे।

शास्त्री के लिए, युद्ध की तबाही के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति ऐसी थी कि देश के पास आर्थिक उदारीकरण और मुद्रा अवमूल्यन के लिए आईएमएफ-विश्व बैंक के नुस्खों को मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इसलिए, शास्त्री जी ने कृष्णमाचारी को वित्त मंत्री पद से हटाने के लिए एक राजनैतिक और नैतिक तरीका निकाला।कृष्णमाचारी के लिए, यह उनके राजनीतिक जीवन में दूसरी बार था जब उन्हें वित्त मंत्री के पद से हटना पड़ा। एक बार नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल में, मुंद्रा कांड के बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। अब, शास्त्री जी के अधीन, कृष्णमाचारी के बेटे के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप थे। शास्त्री जी ने जांच पूरी होने तक उन आरोपों से उन्हें मुक्त करने से इनकार कर दिया और वे चाहते थे कि उनके वित्त मंत्री तब तक पद से हट जाएं जब तक कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश द्वारा की जाने वाली जांच में उन्हें क्लीन चिट न मिल जाए। कृष्णमाचारी ने इसे अपमान के रूप में लिया और अपना इस्तीफा दे दिया, जिसे शास्त्री जी ने तुरंत स्वीकार कर लिया और सचिन चौधरी को नया वित्त मंत्री नियुक्त किया। शास्त्री उसके बाद ज्यादा समय तक जीवित नहीं रहे। उनकी उत्तराधिकारी इंदिरा गांधी ने चौधरी को वित्त मंत्री के रूप में बनाए रखा और शास्त्री द्वारा लिए गए मुद्रा अवमूल्यन के निर्णय को लागू किया । शास्त्री की सुधारवादी साख उनकी आर्थिक टीम से भी स्पष्ट थी।

उनकी टीम के सभी सदस्य -एस भूतलिंगम, धर्म वीर, आईजी पटेल और एलके झा-अर्थव्यवस्था को मुक्त करने और कृषि को आधुनिक बनाकर और निजी क्षेत्र को

नियंत्रण से अपेक्षाकृत स्वतंत्रता के साथ काम करने की अनुमति देकर भारतीय अर्थव्यवस्था की क्षमता को साकार करने के लिए सुधारों की तत्काल आवश्यकता में विश्वास करते थे। यहां तक कि नेहरु के सबसे करीबी वी.के. कृष्ण मेनन और के.डी. मालवीय को भी शास्त्री जी के मंत्रिमंडल से हटना पड़ा। इस बात का संकेत था कि शास्त्री ऐसी व्यवस्था चाहते थे जो लाइसेंस राज से दूर होकर बाजार पर अधिक निर्भर हो। शास्त्री जी के नेतृत्व वाली सरकार के कुछ फैसलों में भी बदलाव की बयार महसूस की गई।जब शास्त्री जी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला, तब तक तीसरी पंचवर्षीय योजना की विफलता स्पष्ट हो चुकी थी। अगस्त 1965 में प्रधानमंत्री ने संसद में घोषणा की कि आर्थिक गतिविधियों पर सरकारी नियंत्रण पर पुनर्विचार किया जाएगा। इसके तुरंत बाद, स्टील और सीमेंट जैसे क्षेत्रों के लिए विनियमन में ढील दी गई।इतना ही नहीं, शास्त्री जी ने उन सभी प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र परियोजनाओं की समीक्षा का आदेश भी दिया जो तब तक शुरू नहीं हुई थीं। शास्त्री जी ने परियोजनाओं पर निर्णय लेने की प्रक्रिया को योजना आयोग से अलग-अलग आर्थिक मंत्रालयों में स्थानांतरित करके शासन को विकेंद्रीकृत करने की भी कोशिश की। शास्त्री जी ने आयोग के लिए अनिश्चित कार्यकाल के आधार पर नियुक्ति योजना को निश्चित अनुबंधों में बदल दिया। उन्होंने विशेषज्ञों, अर्थशास्त्रियों और वैज्ञानिकों से नीतिगत अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए 1964 में राष्ट्रीय विकास परिषद नामक एक समानांतर निकाय की भी स्थापना की। जिसने योजना आयोग के दायरे और भूमिका को कम कर दिया।शास्त्री की राजनीतिक अर्थव्यवस्था में, खाद्यान्न की कमी को कृषि में निवेश को स्थानांतरित करके हल किया जा सकता था। कालाबाजारी का समाधान प्रोत्साहन में था, न कि दबाव में; सार्वजनिक उपक्रमों की अक्षमता के लिए निजी क्षेत्र में जाना ज़रूरी था और आयात विकल्प के लिए निर्यात प्रोत्साहन की ज़रूरत थी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भी योजना आयोग के पर डतर कर उसे नीति आयोग में बदला तथा राज्यों की आवश्यकताओं के अनुसार वित्तीय प्रबंधन पर जोर दिया। इस दृष्टि से राहुल गांधी और उनसे बुजुर्ग मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कांग्रेस पार्टी को शास्त्रीजी की नीतियों निर्णयों को भी याद कर लेना चाहिए।

इन दिनों राहुल कांग्रेस की कर्नाटक और अन्य राज्य सरकारें अमूल दूध डेयरी के प्रवेश का विरोध कर रहे हैं। जबकि शास्त्री जी ने श्वेत क्रांति , दूध के उत्पादन और आपूर्ति को बढ़ाने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान -आनंद, गुजरात के अमूल दूध सहकारी को समर्थन देकर और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड बनवाया था।उन्होंने कंजरी में अमूल के मवेशी चारा भंडार के उद्घाटन के लिए 31 अक्टूबर 1964 को आनंद का दौरा किया। चूंकि उन्हें इस सहकारी की सफलता जानने में गहरी दिलचस्पी थी, इसलिए वे एक गांव में किसानों के साथ रात रुके, और यहां तक कि एक किसान परिवार के साथ रात का भोजन भी किया। उन्होंने किसानों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार के लिए देश के अन्य हिस्सों में इस मॉडल को दोहराने के लिए कैरा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (अमूल) के तत्कालीन महाप्रबंधक वर्गीज कुरियन के साथ विचार विमर्श किया। चीन और पाकिस्तान से मुकाबले के लिए भारत की परमाणु शक्ति का कार्यक्रम भी शास्त्रीजी के कार्यकाल में शरु हुआ। 24 अक्तूबर, 1964 को महान वैज्ञानिक होमी भाभा ने आकाशवाणी पर परमाणु शक्ति पर बोलते हुए कहा था, पचास परमाणु बमों का ज़ख़ीरा बनाने में सिर्फ़ 10 करोड़ रुपयों का ख़र्च आएगा और दो मेगाटन के 50 बनाने का ख़र्च 15 करोड़ से ज़्यादा नहीं होगा। दिसंबर 1965 में लाल बहादुर शास्त्री ने भाभा से शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु विस्फोट के काम को तेज़ी देने के लिए कहा। दूसरे बडे वैज्ञानिक होमी सेठना के अनुसार पाकिस्तान के साथ 1965 के युद्ध के दौरान शास्त्री ने भाभा से कुछ ख़ास करने के लिए कहा।भाभा ने कहा कि इस दिशा में काम हो रहा है। इस पर शास्त्री ने कहा आप अपना काम जारी रखिए लेकिन कैबिनेट की मंजूरी के बिना कोई प्रयोग मत करिएगा।

1965 में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जंग छेड़ दी। शास्त्री ने जंग और आर्थिक चुनौतियों के बीच प्रसिद्ध नारा 'जय जवान जय किसान' दिया. साथ ही अन्न बचाने के मकसद से लोगों को एक समय का खाना नहीं खाने का आह्वान भी किया। शास्त्रीजी ने कहा कि देश का हर नागरिक एक दिन का व्रत करे तो भुखमरी खत्म हो जाएगी। खुद शास्त्रीजी नियमित व्रत रखा करते थे और परिवार को भी यही आदेश था।भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ इस जंग में बड़ी जीत हासिल की। 26 सितंबर, 1965 को भारत-पाकिस्तान युद्ध ख़त्म हुए चार दिन ही हुए थे जब प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने दिल्ली के रामलीला मैदान में हज़ारों लोगों के सामने ऐलान किया, सदर अयूब ने कहा था कि वो दिल्ली तक चहलक़दमी करते हुए पहुंच जाएंगे।वो इतने बड़े आदमी हैं।लहीम शहीम हैं. मैंने सोचा कि उन्हें दिल्ली तक चलने की तकलीफ़ क्यों दी जाए. हम ही लाहौर की तरफ़ बढ़ कर उनका इस्तक़बाल करे।

आज का इतिहास

- 1854-भारत में डाक टिकट का प्रचलन आरंभ हुआ। टिकट पर महारानी विक्टोरिया का सिर और भारत बना होता था। इसकी कीमत आधा आना (1/32 रुपये) थी।
- 1919-हन्टर समिति की स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 01 अक्टूबर, 1919 ई. को की गई।
- 1919-मजरूह सुल्तानपुरी- हिन्दी फिल्मो के प्रसिद्ध गीतकार का जन्म हुआ।
- 1949-चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के शासन की शुरुआत हुई।
- 1951-जी.एम.सी. बालायोगी - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष का जन्म हुआ।
- 1953-आंध्र प्रदेश अलग राज्य बना।
- 1960-नाइजीरिया ब्रिटेन से स्वतंत्र हुआ।
- 1967-भारतीय पर्यटन विकास निगम की स्थापना हुई।
- 1978-लड़कियों की शादी की उम्र को 14 से बढाकर 18 और लड़कों का 18 से बढाकर 21 वर्ष किया गया।
- 1996-अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन द्वारा पश्चिम एशिया शिखर सम्मेलन का उद्घाटन।
- 2000-सिडनी में 27वें ओलम्पिक खेल सम्पन्न।
- 2001-मनीष नरवाल भारत के पैरा निशानेबाज का जन्म हुआ।
- 2002-एशियाड खेलों में स्नूकर प्रतिस्पर्द्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ।
- 2003-नदियों को जोडने के संबंध में बंगलादेश की आशंकाओं को भारत ने दूर किया था।
- 2005-इंडोनेशिया के बाली में हुए बम विस्फोट में 40 लोगों की मृत्यु हुई।
- 2006-इजरायल ने लेबनान से अपनी सेना की आखरी टुकड़ी को भी वापस बुलाया।

लोकतांत्रिक मूल्यों में वैश्विक हित

■ सुरेश सेठ

अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए एक नया संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि वह आने वाले दिनों में भारत को पुष्पित बनाएंगे और पुष्प की पंक्तियों से इसे विकसित करेंगे। उन्होंने पी से प्रगतिशील भारत का उल्लेख किया, जिसका अर्थ है हमारे संविधान की प्रतिबद्धता कि हम देश में प्रजातांत्रिक समाजवाद स्थापित करेंगे। यह वंचितों के लिए आशा की किरण है, लेकिन अभी बहुत काम बाकी है। अमृत महोत्सव मनाने के बाद भी अमीर और गरीब के बीच की खाई और बढ़ गई है। यू से अजेय भारत का संकेत है कि भारत की सेना आत्मनिर्भर और आधुनिक हो गई है। देश की अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। एस से आध्यात्मिक भारत का अर्थ है कि आधुनिकता की रौ की बजाय आध्यात्मिक मूल्यों की स्थापना भारत का लक्ष्य होगा। अध्यात्म का सही संदेश अगर कोई दे सकता है तो वह भारत है, लेकिन यह संदेश कट्टरता से मुक्त होना चाहिए।

एच से मानवता का समर्थन करता भारत और पी से समृद्ध भारत का संकेत, मंदी के अंधड़ में फंसी दुनिया में भारत की तेज विकास दर को बनाए रखने और अपनी मंडियों में निवेश की मांग को कम न होने देने की ओर है। इन सभी पहलुओं के माध्यम से, प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया है कि भारत को प्रगतिशील, अजेय, आध्यात्मिक और समृद्ध बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। भारत ने अपनी आजादी के शतकीय महोत्सव में विकसित भारत की स्थापना का लक्ष्य रखा है, और उसका आदर्श है कि वह आर्थिक महाशक्ति बनेगा। न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री

मोदी प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के प्रतीक 'नमस्ते' को वैश्विक पहचान बनाने का समय आ गया है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के सकारात्मक मूल्यों को अमेरिका की सामाजिक व्यवस्था में प्रमुखता देने का संदेश दिया। मोदी ने प्रवासी भारतीयों को देश का ब्रांड एम्बेसडर बताया और कहा कि भारत आज अवसरों की धरती है। भारत में नेतृत्व करने की क्षमता है और वह रुकने या थमने वाला नहीं है। यह प्रेरणा वास्तव में उत्साहजनक है। मोदी यहां अपने देश में हो रहे सेमीकंडक्टर सेक्टर के तेज विकास की ओर इशारा कर रहे थे, जो भारत के डिजिटल परिवर्तन का हिस्सा है। उन्होंने 'मेड इन इंडिया' के तहत सेमीकंडक्टर चिप्स को विकसित भारत की उड़ान के रूप में प्रस्तुत किया। हालांकि, इस डिजिटल युग का लाभ देश की गरीब और वंचित आबादी तक पहुंचाना जरूरी है, जो रोजगार और महंगाई की समस्याओं का सामना कर रही है। मोदी का नेतृत्व सशक्त है, लेकिन उन्हें इन वंचित वर्गों की जरूरतों का ध्यान रखना होगा, ताकि वे डिजिटल भारत में शिक्षा और अवसरों से वंचित न रहें। मोदीजी ने प्रवासी भारतीयों के सामने यह दावा किया कि भारत पहला जी-20 देश है जिसने पेरिस जलवायु लक्ष्यों को हासिल किया है, और उनका कार्बन उत्सर्जन दुनिया के मुकाबले कम है।

उन्होंने कहा कि भारत हरित क्रांति की राह पर अग्रसर है और पर्यावरण प्रदूषण के संकट का सामना करने के लिए अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ग्लोबल साउथ के देशों के साथ-साथ विकसित पश्चिमी देश भी इस दिशा में कदम बढ़ाएंगे, क्योंकि पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग सभी के लिए एक गंभीर संकट है। पिछले दिनों मौसम के असाधारण परिवर्तनों ने न केवल भारत को, बल्कि पूरी दुनिया को संकट में डाल दिया है। इसके परिणामस्वरूप कृषि, उत्पादन और निवेश में अनिश्चितता बढ़ गई है, जिससे मांग में कमी आई है। अमेरिका ने इस समस्या से निपटने के लिए अपनी फेडरल दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की कमी की है। लेकिन यह ध्यान रखना चाहिए कि वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र इस संकट का सामना कर रहा है, जिससे मंदी और निवेश की अनिश्चितता उत्पादन की गणनाओं को अस्तव्यस्त कर रही है।

इसलिए, दुनिया को समावेशी विकास का नया रास्ता अपनाना होगा। भारत, जो अब दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, अगर बदलाव का नेतृत्व करता है, तो यह सकारात्मक कदम होगा। पश्चिमी और संपन्न देशों को तीसरी दुनिया के देशों की शक्ति का अहसास करना होगा और भारत की नई ताकत को स्वीकार करना पड़ेगा। यदि सभी मिलकर मौजूदा चुनौतियों पर नियंत्रण करते हुए आगे बढ़ते हैं, तो दुनिया में भुखमरी, महंगाई और बेरोजगारी का संकट समाप्त हो सकता है, जो अब केवल तीसरी दुनिया के देशों में नहीं, बल्कि संपन्न देशों में भी देखा जा रहा है। इसके अलावा, लोकतंत्र ही इस दुनिया में मुक्ति और विकास का सही रास्ता है। अधिनायकवादी महत्वाकांक्षाएं संघर्ष और तनाव पैदा करती हैं, जैसा कि पिछले दो-तीन वर्षों में देखा गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्त्राइल-हमास संघर्ष के चलते दुनिया में शांति का माहौल नहीं बन रहा है, और यदि यह स्थिति बढ़ती है, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। -साभार

कल चाहे हारे थे,
आज नई शुरुआत
करो, नया सूरज
है नयी उम्मीद है,
हर पल में जीत
का नया इरादा
करो।

निशाना

आ गए वो पास?

-कृष्णेन्द्र राय

बढ़ रही है हलचल ।
आ गए वो पास ?
स्वागत गर्मजोशी से ।
बन सकते अब खास ?
राजनीति में कोई ।
ना दुश्मन ना मित्र ।।
इसलिए तो कहते हैं ।
है स्थिति विचित्र ।।
शांत है तकरार ।
पनपा शायद प्यार ।।
आ गया अब वक्त ।
हो चुकता उधार ।।
कब पक जाए खिचड़ी ।
जान कौन ये पाया ।।
कुर्सी सबको प्यारी है ।
है कुर्सी की माया ।।

अवैध रूप से व्यावसायिक कार्य कर रहे ट्रैक्टरों पर जुर्माना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कृषि कार्य को करने लिए पंजीकृत ट्रैक्टर ट्रालियों द्वारा शहर में व्यावसायिक कार्य किया जा रहा है. गत दिवस यातायात पुलिस द्वारा व्यावसायिक कार्यों में लगे 5 ट्रैक्टरों पर कार्यवाही करते हुए जुर्माना लगाया गया है। इनमें ट्रेक्टर नंबर MP05 AH 3990 का 16 हजार 500 रुपये , MP05 AJ 2081 का 16 हज़ार रुपये , MP05 AH 7682 का 21 हजार रुपये , MP05 AG 8355 का 16 हजार 500 रुपये इस तरह से कुल 4 ट्रैक्टरों का कुल जुर्माना 70 हज़ार रुपये किया गया।

निशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण शिविर आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

गत दिवस 28 सितम्बर को विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर पशुपालन, पशु चिकित्सा विभाग, लायंस क्लब होशंगाबाद एवं आयुष नर्मदापुरम् के संयुक्त तत्वाधान में संभागीय, पशु चिकित्सालय नर्मदापुरम में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक निशुक्ल एंटी रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 74 आवारा एवं 50 पालतू कुत्तों / बिल्लियों में एंटी रेबीज टीके लगाये गये। शिविर में डॉ. संजय सिंघई, सिविल सर्जन डॉ. शैलेन्द्र नेमा, डॉ. अरविंद गुप्ता, डॉ. प्रियंका, डॉ. राजेन्द्र शर्मा, आलोक कुलश्रेष्ठ, एस. सी. नामदेव, सी.एम, बडोदिया, चन्द्रप्रकाश करेले एवं राम गोपाल मिश्रा, पंकज पटैल, मनु राव, लायंस क्लब होशंगाबाद, आयुष नर्मदापुरम् से अध्यक्ष लायन विनय यादव, सचिव शहिद खान, लायन मो. आदिल सजकुमार मिनयारे आदि उपस्थित थे।

सोलंकी बने पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सिवनी मालवा प्रांतीय पटवारी संघ का जिला स्तरीय जिला अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न की गई जिसमें निर्वाचन प्रक्रिया के उपरांत निर्विरोध रूप से नरेन्द्र सोलंकी पटवारी तहसील सिवनी मालवा को नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष निर्वाचित किया गया दौरान तहसील अध्यक्षों में तहसील नर्मदापुरम शहर तहसील अध्यक्ष आकाश बोरसी तहसील सिवनी मालवा के पटवारी अरविंद रघुवंशी तहसील डोलरिया से सुमित वर्मा ,इटारसी तहसील अध्यक्ष देवी शरण पटेल बाबई तहसील अध्यक्ष विशाल शर्मा सोहागपुर अध्यक्ष प्रताप सिंह पुरवईया पिपरिया तहसील अध्यक्ष मूरत शाह परते एवम तहसील बनखेड़ी अध्यक्ष अभिषेक उईके निर्विरोध निर्वाचित हुए।

सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को कार्यक्रम के संरक्षक काका कोदर सिंह मौर्य वरिष्ठ पटवारी साथी दिनेश तिवारी अनिल सेठ केसरी सिंह राजपूत बलराम दुबे के द्वारा एवं राजस्व निरीक्षक दिनेश प्रधान के द्वारा स्वागत कर प्रमाण पत्र दिए गए सभी पदाधिकारी ने प्रांतीय पटवारी संघ के हित में एवं समस्त पटवारी के समस्याओं के संबंध में एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया सभी पदाधिकारी के निर्वाचन पर जिले के समस्त पटवारी साथियों ने फूलमाला से स्वागत कर शुभकामनाएं दी ।

पाठ्य पुस्तक वितरण संबंधी जानकारी अपडेट की जाएगी

जनजातीय कार्य विभाग की शिक्षा संबंधी समीक्षा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम ने बताया कि गत दिवस 28 सितम्बर को जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम अंतर्गत शिक्षा संबंधी समीक्षा बैठक कन्या शिक्षा परिसर पवारखेडा में आयोजित की गई थी। जिसमें संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम, प्रभारी सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी तथा समस्त विभागीय प्राचार्य उपस्थित रहे।

बैठक में छात्रवृत्ति सत्र 2022-23 एवं 2023-24 के लंबित प्रकरणों, विकासखण्ड अंतर्गत पाठ्यपुस्तक वितरण, साइकिल वितरण तथा अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गई। सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया गया कि संकुलवार छात्रवृत्ति की समीक्षा कर शीघ्र ही शेष कार्य पूर्ण किया जाए एवं विमर्श पोर्टल पर पाठ्यपुस्तक वितरण संबंधी जानकारी को शीघ्र ही अपडेट की जाए।

शैक्षणिक जागरूकता शिविर, शिक्षा का कोई विकल्प नहीं है: डॉ. तोमर

नर्मदापुरम। प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के तहत शिक्षा में रुचि खो चुके कैदियों को परामर्श देने के लिए केंद्रीय जेल में एक साक्षरता जागरूकता शिविर आयोजित किया गया.इस अवसर पर मानवाधिकार कार्यकर्ता व यूनिसेफ आइकन डॉ. मयंक तोमर द्वारा कैदियों को परामर्श किया गया और बताया कि शिक्षा का कोई विकल्प नहीं है। चाहे कोई भी कारण हो, कभी भी पढ़ाई नहीं छोड़नी चाहिए क्योंकि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है.कोई भी किसी भी आयु वर्ग में शिक्षित होना या बनना शुरू कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान सहायक जेल अधीक्षक प्रहलाद वरकड़े, उप जेल अधीक्षक हितेश बंदिया एवं जेल स्कूल स्टाफ उपस्थित था.

प्रदेश के स्कूलों में बच्चों के नामांकन की कमी पर कलेक्टर्स को लिखा पत्र

रायसेन, दोपहर मेट्रो।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर पिछले वर्ष के मुकाबले विद्यार्थियों के नामांकन में आई गिरावट का विश्लेषण करने के लिये कहा है। पत्र में कहा गया है कि स्टूडेंट प्रोग्रेशन का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है। इस प्रोग्रेशन की प्रोसेस में स्कूल के शिक्षकों द्वारा बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स को शाला से अनमैप्ड करके ड्रॉपबॉक्स में भेज दिया गया है। इस वजह से विद्यार्थियों के नामांकन में गिरावट देखने को आ रही है। पत्र में कहा गया है कि शाला में अनमैप्ड स्टूडेंट की स्कूलवार और स्टूडेंटवार जानकारी जिले के पास उपलब्ध है।

जिले में शाला से अनमैप्ड स्टूडेंट को उसकी अध्ययनरत शाला में उसकी पात्रतानुसार कक्षा में मैप किया जाना है। यह कार्य 31 अक्टूबर 2024 तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाये। निर्देश में कहा गया है कि मैपिंग की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित की जाये। ब्लॉक लेबल और जनशिक्षा केन्द्र स्तर से भी अनमैप्ड स्टूडेंट की मैपिंग का लक्ष्य दिया जाये। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी और डिस्ट्रिक प्रोजेक्ट को-ऑर्डीनेटर की जिम्मेदारी तय करने के लिये भी कलेक्टर्स को कहा गया है। पत्र में कहा गया है कि जो विद्यार्थी ड्रॉपबॉक्स में भेज दिये गये हैं, उन्हें राज्य सरकार की निरूशुल्क पाठय-पुस्तक, गणवेश और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं का लाभ नहीं मिल सकेगा।

ड्रॉपबॉक्स स्टूडेंट

ड्रॉपबॉक्स एक ऐसा ऑनलाइन बॉक्स जो सभी की पहुँच होता है, जिसमें देशभर में स्कूल से अनमैप्ड स्टूडेंट्स की जानकारी होती है। देशभर में ऐसे स्टूडेंट्स को खोजने के लिये ऑनलाइन सुविधा है, जिससे शाला से अनमैप्ड स्टूडेंट को ट्रेक किया जाकर स्कूल में दर्ज किया जा सके। ड्रॉपबॉक्स स्टूडेंट वे स्टूडेंट होते हैं जो विगत सत्र में किसी स्कूल में दर्ज थे, किन्तु वर्तमान सत्र में किसी भी स्कूल में दर्ज के रूप में दिखाई नहीं दे रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर होगा वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार ने बताया कि वृद्धजन देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत 1 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से 4 बजे तक जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में वृद्धजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य शिविर में मेडिसिन विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, नाक कान गला रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, दंतरोग विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट एवं पैरामेडिकल स्टाफ वृद्धजनों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगे। सभी वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं परामर्श एन. सी. डी. क्लिनिक में किया जावेगा। सुनील साहू मीडिया प्रभारी ने बताया कि 1 अक्टूबर को सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित ग्राम आरोग्य केंद्रों में भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा आभा हेल्थ आईडी एवं आयुष्मान कार्ड बनाए जायेंगे। सभी वरिष्ठ नागरिकों से अपील की जाती है कि इस निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठावे एवं अपना आधार कार्ड तथा मोबाइल नंबर साथ अवश्य लाएं।

सभी वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

अपरमुख्य सचिव की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

अपर मुख्य सचिव, म.प्र.शासन, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण एवं विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु जनजाति विभाग, नर्मदापुरम संभाग अजीत केसरी की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों की संभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन नर्मदापुरम संभाग के कार्यालय कलेक्टर जिला बैतूल के सभाकक्ष में 4 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से आयोजित की गई है। तत्संबंध में संभागायुक्त नर्मदापुरम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे उक्त बैठक में वांछित जानकारी के साथ उपस्थित रहना सुनिश्चित करें।

समिति प्रबंधक ने नहीं किया लेखा-जोखा प्रस्तुत भ्रष्टाचार के लगे आरोप, प्रबंधक को हटाने की मांग

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

शनिवार को पूर्व सूचना के उपरांत सेवा सहकारी समिति भैरोपुर की अर्धवार्षिक आमसभा आयोजित की गई जिसमें भैरोपुर, निपानिया,चौकी गवा गांव के शेयर धारक किसान उपस्थित हुऐ जिसमें रामबाबू रघुवंशी प्रशासक के रूप में उपस्थित रहे जिसमें अर्धवार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया जाना था। समिति का प्रबंधक के लिए नियुक्त राजेन्द्र लौवंशी द्वारा किसी भी प्रकार का लेखा-जोखा संबंधित कोई जानकारी के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए ना ही शेयर धारक किसानों को जानकारी उपलब्ध कराई ,जानकारी नहीं देने के कारण प्रोसेडिग रजिस्टर पर किसानों ने हस्ताक्षर नहीं किए,और आम सभा में किसानों की और से कलेक्टर के नाम शेयर धारक किसानों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन में प्रतिलिपि अनुविभागीय अधिकारी सिवनी मालवा, महाप्रबंधक जिला सहकारी नर्मदा पुरम,उप पंजीयक सहकारी संस्था एवं प्रशासक रामबाबू रघुवंशी को ज्ञापन की प्रति सौंपी गई। शनिवार कार्यालय बंद होने के कारण वाट्सअप के माध्यम से दिया, सेवा सहकारी समिति भैरोपुर के प्रबंधक के व्यवहार से सभी शेयर धारक किसान पीड़ित हैं इसलिए प्रशासक से इन्हें हटाने की मांग की वही शेयर धारक किसानों ने भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाऐ साथ ही दस्तावेज को जप्त कर पार्दर्शिता से जांच कराने की मांग की।

मेट्रो एंकर जनप्रतिनिधियों के साथ राजस्व अमला करेगा फसल क्षति आंकलन

कालाबाजारी करने वालों से सख्ती से निपटेगी सरकार

रायसेन, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उर्वरक की मांग बढ़ने पर कालाबाजारी, अवैध भंडारण, नकली उर्वरक निर्माण की संभावना रहती है। पुलिस का सहयोग लेते हुए निरीक्षण और चेकिंग की व्यवस्था को बढ़ाया जाए। कालाबाजारी करने वालों, मिलावट, मिस ब्रांडिंग और नकली उर्वरक खपाने वालों पर कठोरतम कार्रवाई की जाए। उर्वरक अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए एक जिले से दूसरे जिले में उर्वरक मूवमेंट पर सतत् निगरानी रखें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन से सोयाबीन उपार्जन, खाद उपलब्धता और वितरण की वीडियो-कान्फ्रेंसिंग में कलेक्टर -कमिश्नर से चर्चा कर उक्त निर्देश दिए। रायसेन में कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित वीसी कक्ष में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे, एसपी श्री पंकज पाण्डे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वीसी के उपरान्त कलेक्टर श्री दुबे ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खरीफ 2024-25 के लिए प्रदेश में खाद की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का प्राइस सपोर्ट स्कीम में मध्यप्रदेश को सोयाबीन उपार्जन की दी गई स्वीकृति के लिए आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश में उपार्जन के समुचित बेहतर प्रबंध करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जाए ताकि आवश्यकतानुसार डीएपी के स्थान पर एनपीके, लिक्विड नैनो यूरिया के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि राजस्व अमला जनप्रतिनिधियों के साथ ने फसलों की क्षति आंकलन सुनिश्चित करें। खाद भंडारण के लिए डबल लॉक की आवश्यकता होने पर कृषि उत्पादन आयुक्त से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमानक स्तर का खाद-बीज विक्रय, भंडारण और परिवहन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने को कहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रबी 2024-25 के लिए खरीफ 2024 के अनुसार ही उर्वरक वितरण का पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रबी 2024-25 के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। सभी जिला कलेक्टर बेहतर तैयारी कर लें, वितरण व्यवस्था में कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय कर कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी के विज़न अनुरूप प्राकृतिक खेती को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जाए। एनपीके और लिक्विड नैनो यूरिया के उपयोग के लिए किसानों को ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित करें। किसानों द्वारा इनके उपयोग से देश की अन्य राष्ट्रों पर निर्भरता भी कम होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खरीफ 2024 में एनपीके का उपयोग 45 प्रतिशत होने पर प्रसन्नता जताई जो कि वर्ष 2023-24 में मात्र 26 प्रतिशत था। उन्होंने जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की मालवा क्षेत्र में खाद के 3 रैक और उपलब्ध कराने की मांग के अनुरूप कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खाद के व्यवस्थित वितरण के लिए अधिकारियों को डबल लॉक केन्द्रों पर अतिरिक्त बिक्री काउंटर खोलने के निर्देश भी दिए हैं।

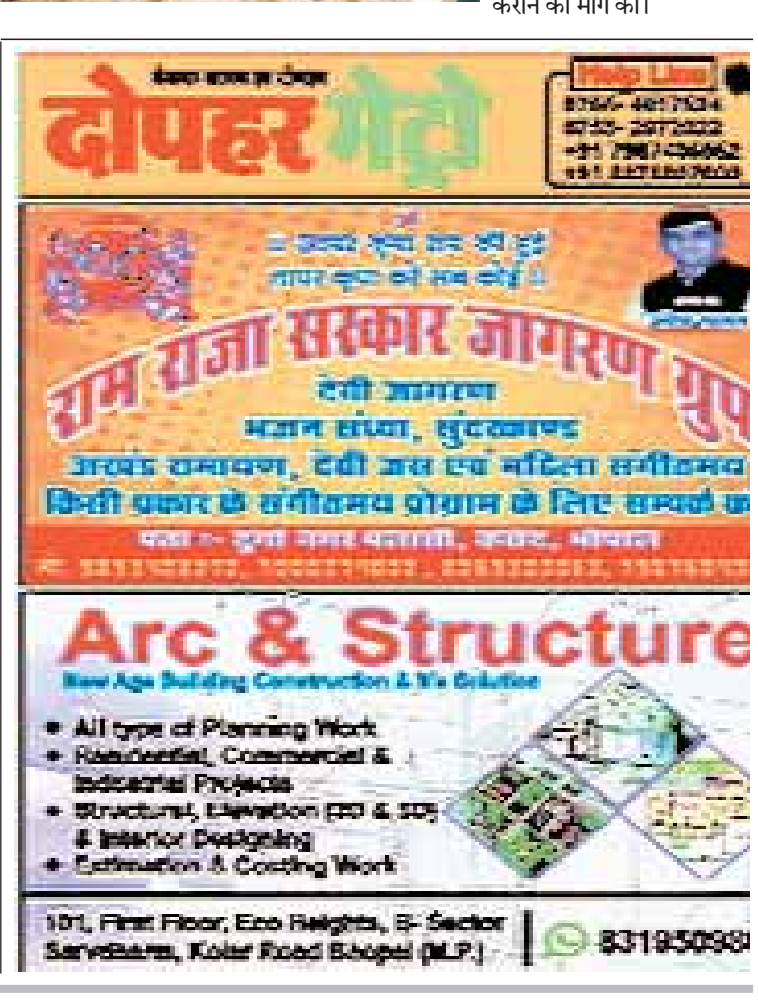

झोलाछाप डॉक्टरों की जांच में लापरवाही गरीब की जान के साथ खिलवाड़?

बिना डिग्री के धड़ल्ले से करा रहे महिलाओं की डिलेवरी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार चाहे जितने सख्त नियम बना लें पर कानूनों को असली जामा तो मैदानी अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा ही पहनाया जाता है। पर ये ही अधिकारी अपनी हठधर्मिता पर उतारू हो जाएं तो सरकारी आदेश सिर्फ कागजों में सिमट कर रह जाते है। यही हठ धर्मिता झोलाछाप डॉक्टरों के प्रति सिरोंज-लटेरी प्रशासन की देखने को मिल रही है । मोहन सरकार के झोलाछाप डॉक्टरों की जांच का आदेश मानो सिरोंज-लटेरी प्रशासन ने कचरे की टोकरी फेंक दिया गया है । कहने को तो कानून के हाथ लंबे होते हैं पर यही हाथ सिरोंज-लटेरी में झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्यवाही करने में नाकाम साबित हो रहे हैं। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया तथा सेंट्रल काउंसिल ऑफ इंडिया ने येलोपैथी आयुर्वेदिक वा यूनानी चिकित्सा पद्धति से किया जाने वाले इलाज को मान्य किया है। इस पद्धति में बिना डिग्री लिए जो इलाज कर रहे हैं वो झोलाछाप की श्रेणी में आते हैं। लटेरी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आयुर्वेदिक व यूनानी डिग्री कुछ डॉक्टरों के पास है लेकिन वो अपनी डिग्री से हटकर एलोपैथिक इलाज कर रहे है। लेकिन कुछ डॉक्टर ऐसे है जिनके पास इनमें से कोई भी डिग्री नही है आप इससे ही समझ सकते है की इनके द्वारा किए जाने वाले इलाज के परिणाम कितने घातक साबित हो सकते है लेकिन लटेरी में कुछ महिला डॉक्टर ऐसी है जिनके नाम से कोई भी डिग्री नहीं है उनके द्वारा धड़ल्ले से महिलाओं का इलाज एवं डिलेवरियां आसानी से कराई जा रही है।कई बार न्यूस पेपर और मिडिया की खबरों के जरिये अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है परन्तु यह खबरे इनके लिये आम बात हो गई है अधकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती है यही नहीं पक्ष-विपक्ष के नेता भी इसकी आवाज नहीं उठाते है क्यूँ की इससे उनकी राजनीति पर असर पड़ेगा इस वजह से भोली-भाली जनता जिसे यह भी नहीं मालूम होता है की क्या सही है क्या गलत है पैसा नहीं होने की वजह से कम पैसे में इलाज करवा लेती है।

सरकारी अस्पताल में करते है टालमटोल – अक्सर देखा जाता है सरकारी अस्पतालों में इलाज में लापरवाही बरती जाती है और इलाज में टालमटोल की जाती है जिसकी जानपहचान होती है उसका काम जल्दी कर दिया जाता है और गरीब देख कर तो कोई सीधे मुँह बात ही नहीं करता है।

कौन करेगा इन पर कार्रवाही – सरकारें तो जनता के लिये उनके लाभ के लिये कानून बना देती है पर अधिकारी-कर्मचारी इन कानूनों पर अमल नहीं करते उनकी धज्जियाँ उड़ाते है माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव जी को ही सख्त होना पड़ेगा ताकि गरीब जनता लुटने से बच सके।

ग्रामीण क्षेत्रों में बैठे हैं कई नीम हकीम - सिरोंज-लटेरी एवं आस पास के ग्रामीण क्षेत्र जैसे आनंदपुर, कलादेव, बलरामपुर, रूसिया, मुरबास, चाठौली, देवपुर, भगवंतपुर, ताल, सियलपुर आदि कई ग्रामों में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा क्लिनिक संचालित किए जा रहे है। इनके द्वारा आसानी से गांवों की भोली भाली जनता को इलाज के नाम पर लूटा जा रहा है। ग्रामीण जनता की भी मजबूरी है की सरकारी स्वास्थ सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों में ना के बराबर है कहने को स्वास्थ विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कई उपस्वास्थ केंद्रों का निर्माण कराया है लेकिन ये उप स्वास्थ्य केंद्र शोपीस बनकर रह गए हैं। इन उप स्वास्थ्य कंदो में कभी भी कोई डॉक्टर नहीं जाते है इनमें हमेशा ताले लगे रहते हैं। इसका फायदा झोलाछाप डॉक्टर उठाते है । इन झोलाछाप डॉक्टरों का इन ग्रामीण क्षेत्रों इतना भय है कि कई बार अनहोनी घटनाएं घटित होने के बाद भी ग्रामीण जनता इनकी शिकायत करने से भी कतराती है।

झोलाछाप डॉक्टरों के प्रति जनता को होना पड़ेगा जागरूक – झोलाछाप डॉक्टरों के संबंध में आम जनता को जागरूक होना पड़ेगा कहीं सस्ते इलाज के चक्कर में हम अपनी सेहत से तो खिलवाड़ नहीं कर रहे। जब भी हम किसी डॉक्टर के पास इलाज कराने जाएं तो एक बार उस डॉक्टर के बारे जानकारी जरूर लें कहीं हम नीम हकीम के पास तो नहीं पहुंच गए। लेकिन इनकी पहचान करना आम जनता के बस की बात नहीं है क्योंकि इनका रहन सहन चाल चलन इलाज करने का तरीका किसी एमबीबीएस से कम नहीं हैं। इनके द्वारा मरीजों को धड़ल्ले से ड्रिप चढ़ाई जाती है। और मरीजों को अपनी क्लिनिक पर भर्ती भी किया जाता हैं। कई बार मरीज की हालत खराब होने पर उसके हाल पर छोड़ दिया जाता है। या फिर किसी बड़े हॉस्पिटल को रिफर कर दिया जाता है। झोलाछाप डॉक्टरों की कुछ विशेषताएं जो आम जन को समझना होंगी।

जनसुनवाई से मिला भूमि पर कब्जा, आवेदकों के विश्वास में हो रही वृद्धि

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई कार्यक्रम के प्रति आवेदकों का विश्वास पहले से कई गुना अधिक बढ़ रहा है। वह भी क्यों ना हो, उनकी मूलभूत व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं का निदान अविलंब हो रहा है। जनसुनवाई कक्ष में ही अनेक आवेदकों की समस्यायों का समाधान हो जा रहा है, ऐसी समस्याएं जो कक्ष के बाहर संभव हैं, उनका निदान आगामी जनसुनवाई के पहले कराया जाने की प्रक्रिया का सफलता पूर्वक विभागीय अधिकारियों द्वारा क्रियान्वयन किया जा रहा है। जनसुनवाई कार्यक्रम अब आवेदकों के लिए वरदान साबित हो रहा है उनकी जमीन संबंधी समस्याएं भी चंद दिनों में हल हो रही हैं।

कलेक्टर को शमशाबाद तहसील के ग्राम हीरापुर के कृषक आवेदक लच्छू राम पुत्र मुल्ला अहिरवार ने अपनी व्यथा सुनाते हुए आवेदन दिया। वस्तु स्थिति को भांपते हुए कलेक्टर ने एसडीएम को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। गौरतलब हो कि आवेदक की भूमि सर्वे क्रमांक 333/2 रकबा 0.932 हे0 में पूर्व में सोयाबीन की बोनी के समय लगभग जून जुलाई में अंतर्गत कब्जा दिया जा चुका है लेकिन आशाराम मुंशीलाल मैना द्वारा दादागिरी से पुनः कब्जा ले लिया था। अतिक्रमणकर्ता आशाराम उक्त भूमि पर लगभग 15 से 20 वर्षो से कब्जा किए हुए था। एसडीएम ने के आदेश के पालन में रविवार 29 सितंबर को आशाराम को बेदखली की कार्यवाही कर लच्छूराम को कृषि भूमि पर कब्जा सौपा गया है और अतिक्रमणकारी के खिलाफ पुलिस में प्रकरण दर्ज कराने के कार्य पूर्ण हुए हैं।

डेंगू मार रहा है डंक, जिम्मेदार बेपरवाह, गंदा पानी निकलने का नहीं है इंतजाम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछ्ले कुछ दिनों से डेंगू के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों में तो एक दर्जन के करीबी है पर प्राइवेट अस्पतालों के आंकड़ों को मिला लिया जाए तो 30 से 40 मामले डेंगू के अब तक सामने आ चुके हैं। इसकी जानकारी होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग से लेकर नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा इसकी रोकथाम के लिए धरातल पर ठोस कदम नहीं उठाया जा रहे हैं। प्रदेश टुडे ने पहले ही प्रशासन को चेताया था उसके बाद एक-दो दिन दवा का छिड़काव करके मामले को वहीं छोड़ दिया इस वजह से फिर मामले बढ़ने लगे जिन क्षेत्रों में पानी निकासी के इंतजाम नहीं और जहां पर बरसात का पानी कई दिनों से जमा हुआ है उसमें डेंगू का लावा पनप रहा है मच्छरों की संख्या भी यहां पर ज्यादा है देखने को मिल रही है उसको नष्ट करने के लिए दवा का छिड़काव भी एक तरफ से नहीं हो रहा है। सबसे पहले जिन क्षेत्रों में पानी निकासी के इंतजाम नहीं है और यहां पर वर्षा का पानी खाली प्लाट और जगह पर भरा हुआ है उन स्थानों पर लावा नष्ट करने की दवा का छिड़काव होना चाहिए वह ना करते हुए शहर के साफ सुथरे के क्षेत्र में दवा डालकर खाना पूर्ति करने का काम जरुर कर दिया गया है।

इस वजह से डेंगू के मामले कम होने की जगह पर तेजी से बढ़ रहे है। समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो संभाल पाना मुश्किल हो जाएगा।सरकारी अस्पताल में तो बहुत संख्या में मरीज ही इलाज करवाने पहुंचते हैं। क्योंकि ज्यादातर समय डॉक्टर मिलते नहीं है सुविधा होती नहीं है इस वजह से निजी अस्पतालों क्लिनिको में डेंगू के मामले ज्यादा सामने आ रहे है

प्राइवेट लबों की चांदी हो रही है। झोलाछाप डॉक्टर भी इस बात का फायदा उठाकर मोटी रकम वसूल रहे हैं मामले बिगड़ने पर भोपाल भी भेजे जा रहे हैं। इस बीमारी का उपचार करने में हजार रुपए की राशि भी बर्बाद हो रही है सबसे बड़ी समस्या गरीब वर्ग के लोगों को उठानी पड़ रही है उनके पास उपचार करने के लिए इतने पैसे नहीं होते हैं मजबूरी में इधर-उधर से पैसे उठाकर इलाज करवाना पड़ा है । डेंगू के मामलों को देखते हुए प्रशासन को अस्पताल में भी विशेष सुविधाएं उपलब्ध करवानी चाहिए पर ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। सरकारी अस्पताल में इलाज के भी उत्तेज इंतजाम नहीं है डेंगू के मामले यहां भी सामने आ चुके हैं। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार और तथा मलेरिया विभाग के द्वारा डेंगू के लावा को नष्ट करने के लिए अपनी तरफ से भी दवा का छिड़काव नहीं करवाया जा रहा पिछले दिनों थोड़ी सी दवा अस्पताल से उपलब्ध करा दी गई थी उसके बाद आगे ना तो दबा अस्पताल प्रबंधन ने मंगाई ना ही नगर पालिका प्रबंधन ने लावा को नष्ट करने के लिए कदम उठाया फागिंग मशीन भी नगर पालिका की खराब पड़ी हुई है, वहां भी ठीक होने के लिए गई हुई है उसको आने में अभी एक-दो दिन का समय लगेगा इसके बाद मच्छर को मरने के लिए फॉगिंग कराने का काम नगर पालिका परिषद करेगी दूसरी ओर लावा नष्ट करवाने के लिए दवा का छिड़काव करवाने की बात भी नगर पालिका सीएमओ राम प्रकाश साहू के द्वारा कही जा रही है लेकिन जिन क्षेत्रों में लावा पनपना के हालात बने हुए हैं वहां पर इंतजाम नहीं हो रहे हैं ।

वहां पर भी इंतजाम करने की बात कही जा रही है। वहीं देखना है कि डेंगू के प्रकोप से नगर वासियों को बचाने के लिए धरातल पर कितनी जल्दी प्रशासन के द्वारा ठोस कदम उठाए जाएंगे और जिन क्षेत्रों में कई दिनों से पानी भरा हुआ है उसको निकलवाने के लिए इंतजाम होंगे या फिर इसी तरह गंदा पानी इन कॉलोनी में भर रहेगा और डेंगू अपना डंक मारता रहेगा और आम जनता इसकी गिरफ्तार में फंसकर परेशान होती रहेगी डेंगू का प्रकोप ज्यादा बढ़ जाए तो आदमी की जान पर भी बनती है। इसकी जानकारी भी है फिर भी जिम्मेदार आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं या फिर इनको नगर वासियों की चिंता नहीं है तभी तो डेंगू से बचने के लिए जमीन स्तर पर ठोस प्रयास नहीं किया जा रहे हैं।

इनका कहना है-

आज ही अस्पताल प्रबंधन और नगर पालिका परिषद को डेंगू के लावा को नष्ट करने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए पत्र जारी किया जाएगा साथ ही जिन स्थान पर पानी जमा हो रहा है उसको निकलवाने के अलावा प्रत्येक वार्ड में जांच के लिए कैंप लगाने के लिए भी हम निर्देशित करेंगे।

हर्षल चौधरी एसडीएम

496 कृषकों ने नुकसान की सूचना बीमा कंपनी को दी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

फसलीय नुकसान की सूचना बीमा कंपनी को शीघ्र दे टोल फी नंबर 14447 जारी

दो दिनों की बारिश के बाद विकासखंड के अधिकांश किसानों की फसले प्रभावित हो गई हैं। हर साल खरीफ की फसल इस समय बारिश के कारण प्रभावित होती है पर किसान हर बार उम्मीद लगाकर फसल लगा देता है फिर मौसम उनके विपरीत खड़ा हो जाता है इस बार भी ऐसे ही हालात बन गए हैं साथ सरकार से अभी तक फसल क्षति के नुकसान का सर्वे करने के निर्देश भी जारी नहीं हुए हैं। इस वजह से किसान और भी ज्यादा चिंतित हैं । वहीं । बीमा कंपनियों से फसल नुकसान की राशि दिलवाने के लिए कृषि विभाग के द्वारा एक पत्र जारी करके अपनी औपचारिक तो जरूर पूरी कर दी है। जिसमें क्षतिपूर्ति के लिए किसान टोल फ्री नंबर पर जानकारी देकर बीमा क्लेम कर सकते हैं ।पर उसके लिए धरातल पर काम होना चाहिए अधिकांश किसानों को क्लेम करने की जानकारी भी नहीं होती है और बीमा की रसीदें भी जिन बैंकों में केसीसी बने हुए हैं उनके द्वारा किसानों को नहीं दिए जाती हैं इस वजह से वह बीमा के लिए क्लेम करना मुश्किल हैं । प्रशासनिक अधिकारी शासन के आदेश का इंतजार कर रहा है जब तक शासन से आदेश नहीं मिलेगा तब तक वह सर्वे करने के लिए भी कदम भी नहीं उठाएंगे।

कृषि विभाग के उपसंचालक के एस खपेडिया ने बताया कि विदिशा जिले में एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा कृषकों की फसलों का बीमा किया गया है। जिले में विगत 03 दिवस में हुई वर्षा से जिन कृषकों की फसलों में नुकसान हुआ है। उन सभी किसान भाइयों से विभाग द्वारा अपील की गई है कि कृषक बंधु जारी टोल फ्री नंबर 14447 पर अपनी नुकसान की सूचना 72 घंटे के अंदर उपलब्ध करायें। किसान भाई बीमा कंपनी के पोर्टल छब्ब्च् च्व्त्जंस् पर सूचना दर्ज कर सकते है। इस हेतु अपना आधार कार्ड साथ रखे।

गौरतलब हो कि अभी तक जिले के 496 कृषकों ने नुकसान की सूचना बीमा कंपनी को दी है जिसमें से 192 कृषकों का सर्वे भी कर लिया गया है यह प्रक्रिया सतत जारी है।

इनका कहना है-

हमने सभी पटवारी को प्रतिदिन की रिपोर्ट देने के लिए निर्देशित किया गया है। जैसे ही शासन से निर्देश मिलेंगे हम नियम कार्वाई करेंगे।

हर्षल चौधरी एसडीएम

जिले में 12.6 मिमी वर्षा हुई, शमशाबाद में सर्वाधिक व ग्यारसपुर में निम्नतम

सिरोंज। जिले में अब तक 1126.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज हो चुकी है आज रविवार को 12.6 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। विदिशा में सात मिमी, बासौदा में 1.6 मिमी, कुरवाई में 9.4 मिमी, सिरोंज में 17 मिमी, लटेरी में 19 मिमी, ग्यारसपुर में एक मिमी, गुलाबगंज में नौ मिमी, नटेरन तहसील में 10 मिली, शमशाबाद में 40.5 मिमी तथा पठारी तहसील में 11 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। जिले की तहसीलो में अब तक दर्ज हुई वर्षा तदानुसार विदिशा में 1209 मिमी, बासौदा में 1004.8 मिमी, कुरवाई में 1324.8 मिमी, सिरोंज में 916 मिमी, लटेरी में 1076.2 मिमी, ग्यारसपुर में 974 मिमी, गुलाबगंज में 856 मिमी, नटेरन में 1098 मिमी, शमशाबाद में 1342.5 मिमी तथा पठारी तहसील में 1466.2 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

नवरात्रि में महामाई पर होगा आयोजन, प्रशासन की हुई बैठक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

रविवार को नवरात्रि में महामाई मंदिर पर होने वाले आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर विधायक उमाकांत शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर सभी व्यवस्थाएं समय से पहले करने के लिए दिशा निर्देश दिए । हर साल डांग वाली मां महामाई माता के दरबार में श्री चामुंडा महायज्ञ यज्ञ के अलावा दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं इसके संबंध में समिति के संरक्षक एवं विधायक उमाकांत शर्मा प्रशासन के अधिकारियों को प्रतिदिन होने वाले दुर्गा चामुंडा यज्ञ हवन एवं रात्रि में होने वाली नित्य महाआरती के दौरान आने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित दर्शन करवाने के लिए उचित इंतजाम करने के निर्देश दिए। वहीं विधायक ने सिरोंज भोपाल मार्ग से महामाई मंदिर तक हो रहे निर्माणाधीन फोरलेन मार्ग जिस पर डिवाइडर का निर्माण प्रगतिशील होने के कारण दो पहिया, चार पहिया वाहनों के अलावा पदयात्रा कर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं यातायात संबंधी व्यवस्थाओं के लिए लोकनिर्माण विभाग एवं पुलिस विभाग को विशेष रूप से निर्देशित किया।

मेट्रो एंकर

पुलिस टीम ने मंदिर परिसर में दो लोगो को पकड़ा

पठारी पुलिस ने मंदिरों में हुई चोरी का किया पुलिस ने पर्दाफाश, माल बरामद किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पुलिस गंजबासौदा ने उदयपुर महामाया मंदिर बालाजी मंदिर एवं हनुमान मंदिर विसलोनी से चोरी हुए भगवान के जेवरों को बरामद कर मंदिरों की चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पकड़े गए आरोपी मंदिरों में जाकर रेकी करते थे फिर चोरी की घटना को अंजाम देते थे। चोरी के जेवरों को गलाने वाले आरोपी की तलाश की जा रही है। मंदिरो में हुई चोरी की गम्भीर घटना एवं जनमानस की धार्मिक भावनायें आहत होने से मामले की गम्भीरता को लेकर चोरो को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर चोरी गये भगवान के जेवर बरामद करने पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे एसडीओपी मनीष राज द्वारा कार्यवाही की जानकारी लेकर दिशा निर्देश दिये जा रहे थे। मुखबिर से सूचना मिली कि दानखेड़ी मंदिर में दो लोग मूर्तियों को लगातार निहार रहे है जो संदिग्ध प्रतीत हो रहे है। तत्काल पुलिस टीम ने मंदिर परिसर में दो लोगो को पकड़ा जिनसे नाम पता पूछे हिरासत में लेकर रामसिंह उर्फ रम्मू पिता दुर्जन सौर उम्र 25 वर्ष राजेन्द्र पिता गोविन्द गौड़ 26 वर्ष दोनो निवासी ग्राम बेरखेड़ी थाना बांदरी जिला सागर का होना बताया। दोनो ने पठारी क्षेत्र के बालाजी धाम हनुमान मंदिर कुछ बड़ोह, हनुमान मंदिर बिसलोनी एवं उदयपुर मे माता

के मंदिर मे चोरी करना स्वीकार किया पूछताछ के दौरान आरोपी रामसिंह द्वारा चोरी किए गए आभूषण मे से आभूषण अपने एक अन्य साथी गब्बर यादव ग्राम बेरखेडी के माध्यम से गढ़ोला जागीर एवं खुरई मे सुनार की दुकान पर बेचना बताया एवं आभूषण बेचकर प्राप्त किए गए रुपये आपस मे बाटना बताया, एवं कुछ आभूषण रम्मू उर्फ रामसिंह सौर और राजेंद्र गौंड से उनके बताए अनुसार जप्त किये गये एवं दोनों प्रकरण में आरोपियों ने चोरी किये जेवर को सुनारो से गलवा कर सिल्ली बनबाने पर मुताबिक आरोपियो के मेमोरेण्ड के प्रकरण में सुनारो को आरोपी बनाया गया है ।

जिनसे शेष मशरुका जप्त करना शेष है - पुलिस ने बालाजी धाम से चोरी जेवर चांदी का मुकुट एक वजन करीब 1.5 किलो ग्राम चांदी के बाजूबंद एक जोड़ी चांदी की एक माला । बिसलोनी मंदिर से चोरी जेवर में चांदी का मुकुट एक चांदी की एक जोड़ी आंखे चांदी की जोड़ी जोड़ी भौंयें, चांदी का एक तिलक । महामाया मंदिर उदयपुर से चोरी जेवर मे आर्टिफिसियल मुकुट व माला, चांदी के 6 छत्र सोने का मंगलसूत्र 1 चांदी की नथ 1 चांदी की बेंदी 1 नग बरामद की। जप्त आरोपित रम्मू उर्फ रामसिंह से बालाजी धाम बड़ोह के मुकुट का आगे का हिस्सा एवं महामाया मंदिर उदयपुर के मंदिर की आर्टिफिसियल माला एवं घटना में प्रयुक्त होण्डा साईन मोटर सायकिल है। आरोपी राजेन्द्र से जप्त मशरूका मंदिरो से चोरी किये जेवरों को गला कर बनावाई चांदी की सिल्ली वजन करीब 1 किलो एवं घटना में प्रयुक्त लोहे की राड़। आरोपी गब्बर से जप्त मशरूका में मंदिरो से चोरी किये जेवरों को गला कर बनावाई चांदी की सिल्ली वजन करीब 200 ग्राम है। उक्त कार्यवाही में थाना पठारी से निरीक्षक विमलेश कुमार राय, उप निरीक्षक. के के पवार प्रधान आरक्षक उत्तम सिंह, कृष्णनन्द राय, आरक्षक, हेमन्त लोधी, चालीराम यादव, शिवम तोमर, वीरेन्द्र अहिरवार, नरेन्द्र कुमार, नीरज चौबे, अरुण तिवारी, सतीश अहिरवार, प्रवीण चिढ़ार, दिलीप धाकड़, देवेंद्र उचारिया, महिला आरक्षक स्वाति कटारे, द्रोपति तिवारी, एनसीओ गणेशराम रामस्वरूप यादव, रणवीर एवं थाना खिमलासा जिला सागर से निरीक्षक नितिन पाल एवं उनकी टीम की मुख्य भूमिका रही।

दिल को स्वस्थ रखने के तरीकों से अवगत कराया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य पर जिला चिकित्सालय में विशेष आयोजन किया गया था। जिसमें विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों ने आमजनों को अपने हृदय को कैसे स्वास्थ्य रखें के मूल मंत्र बताए गए और इनका पालन करने का आहवान किया गया है।

सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉक्टर शिरीष रघुवंशी के मार्गदर्शन में श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय जिला चिकित्सालय विदिशा में विश्व हृदय दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। जिला चिकित्सालय में विश्व हृदय दिवस पर 30 वर्ष से ऊपर के अस्पताल में आए सभी मरीजो का ब्लड प्रेशर, शुगर एवं आवश्यकता अनुसार ईसीजी की जांच की गयी। विश्व हृदय दिवस पर उपस्थित सभी मरीजो एवं उनके परिजनों को हृदय रोग से बचाव के लिए सिविल सर्जन डॉक्टर शिरिष रघुवंशी द्वारा जो उपाय बताए गए उनमें व्यक्ति को प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट पैदल घूमना एवं नियमित व्यायाम करना चाहिए। व्यक्ति को कम तनाव लेना चाहिए एवं लाफिंग थेरेपी अभ्यास कम से कम 5 मिनट तक करना चाहिए। व्यक्ति को कम से कम 8 घंटे की पूरी नींद लेते हुए रात में जल्दी सोना चाहिए। व्यक्ति को नमक और शक्कर का कम सेवन एवं संतुलित आहार लेना चाहिए किसी भी प्रकार का चेस्ट पेन होने पर तत्काल चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। सिविल सर्जन डॉ रघुवंशी ने मरीज को सीपीआर देने के तरीके से भी अवगत कराएं है।

जर्दा तंबाकू सेवन नही करने का प्रण लिया -

विश्व हृदय दिवस पर सिविल सर्जन डॉक्टर शिरिष रघुवंशी के प्रेरणादायी उद्बोधन से प्रेरित होकर जिला अस्पताल मे ग्राम बेस के भर्ती मरीज श्रीमती रामवती के पति श्रीकृष्ण अहिरवार ने जर्दा तंबाकू सेवन नही करने का प्रण लिया उन्होंने कहा है की हृदय रोग की बीमारी से बचने के लिए जर्दा तंबाकू का सेवन कभी नहीं करूँगा और न ही अपने परिवार मे किसी व्यक्ति को करने दूंगा।

बांग्लादेश चौथे दिन लंच तक पहली पारी में 205/6

मोमिनुल की 13वीं टेस्ट सेंचुरी, अश्विन-आकाश दीप को 2-2 विकेट

कानपुर. एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जा रहा है। मैच का आज चौथा दिन है। इससे पहले, दूसरे और तीसरे दिन बारिश की वजह से खेल रद्द कर दिया गया था। जबकि पहले दिन केवल 35 ओवर का खेल हो पाया था। बांग्लादेश ने चौथे दिन लंच तक पहली पारी में ने 6 विकेट के नुकसान पर 205 रन बना लिए हैं। मोमिनुल हक और मेहदी हसन मिराज नाबाद हैं। मोमिनुल हक अपना शतक पूरा कर चुके हैं। बांग्लादेश ने आज 107/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। मुकाबले के पहले दिन सिर्फ 35 ओवर का ही खेल हो सका था, इनमें बांग्लादेश ने 3 विकेट खोकर 107 रन बनाए थे। रविचंद्रन अश्विन ने दिन के अपने पहले ही ओवर में बांग्लादेश को झटका दे दिया। उन्होंने शाकिब अल हसन को मोहम्मद सिराज के हाथों कैच कराया। शाकिब 9 रन बनाकर आउट हुए। अश्विन की बॉल पर शाकिब ने स्टेप आउट किया और शॉट खेला। सिराज मिड-ऑफ पर सर्कल में थे और गेंद आसमान में काफी ऊपर चली गई। सिराज ने बॉल को अच्छे से जज किया और बैक रनिंग करते हुए पीछे की ओर छलांग लगाकर अपने बाएं हाथ से कैच किया।

रोहित ने एक हाथ से कैच पकड़ा: बांग्लादेश को पांचवां झटका 50वें ओवर में लगा। सिराज ने लिट्टन दास को रोहित शर्मा के हाथों कैच कराया। रोहित ने मिड-ऑफ पर जंप कर एक हाथ से बेहतरीन कैच पकड़ा।

आईपीएल टीमें 6 प्लेयर्स रिटेन कर सकेंगी मेगा ऑक्शन में राइट टु मैच कार्ड भी मिलेगा

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मेगा ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी टीमें 6 प्लेयर्स को रिटेन कर सकेंगी। इनमें 5 इंटरनेशनल और एक अनकैप्ड प्लेयर शामिल हो सकता है। चेन्नई सुपर किंग्स के एमएस धोनी बतौर अनकैप्ड प्लेयर बनकर आईपीएल खेल सकेंगे। यह जानकारी बीसीसीआई ने आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की एनुअल मीटिंग के बाद दी। अब टीमों की पर्स लिमिट भी 100 करोड़ से बढ़ाकर 120 करोड़ रुपए कर दी गई है। टीमों को मेगा ऑक्शन में राइट टु मैच कार्ड भी मिलेगा। एक टीम स्क्वॉड के ज्यादा से ज्यादा 6 प्लेयर्स को रिटेन कर सकती है। बोर्ड के सेक्रेटरी जय शाह ने आज ही टूर्नामेंट में सभी प्लेयर्स को मैच फीस दिए जाने का भी ऐलान किया था। साथ ही इम्पैक्ट प्लेयर रूल भी लीग में बना रहेगा। मेगा ऑक्शन इसी साल नवंबर में हो सकता है, जिसकी तारीखें तय होनी बाकी हैं।

धोनी अनकैप्ड प्लेयर बनकर खेल सकेंगे

सीएसके नियम को यूज कर सकती है

5 बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी अनकैप्ड प्लेयर बनकर आईपीएल खेल सकेंगे। आईपीएल ने अपने पिछले नियम को फिर से शामिल करने का फैसला किया है। जिसमें 5 साल पहले इंडियन टीम से रिटायर होने वाले खिलाड़ी ऑक्शन में बतौर अनकैप्ड प्लेयर बनकर शामिल हो सकेंगे। धोनी ने 2020 में संन्यास लिया था, लेकिन उन्होंने भारत के लिए आखिरी मैच 2019 में खेला था। इस तरह 2025 के आईपीएल तक उनके रिटायरमेंट और आखिरी मैच दोनों को 5 साल से ज्यादा का समय हो जाएगा। इस नियम का इस्तेमाल पहले कभी नहीं किया गया, जिस कारण 2021 में इसे हटा दिया गया। हालांकि अब धोनी के लिए सीएसके इस नियम को यूज कर सकती है। राइट टु मैच कार्ड की वापसी आईपीएल मेगा ऑक्शन में राइट टु मैच कार्ड की भी वापसी हो रही है। टीमें अगर किसी प्लेयर को रिटेन नहीं कर पाती हैं, तो उन्हें मेगा ऑक्शन में राइट टु मैच कार्ड का इस्तेमाल कर अपने साथ रख सकेंगी।

5 इंटरनेशनल प्लेयर रिटेन करने के बाद 45 करोड़ ही बचेंगे

आईपीएल में अगर मेगा ऑक्शन से पहले 5 इंटरनेशनल खिलाड़ी रिटेन करती हैं तो उनके पर्स में 45 करोड़ रुपए ही बचेंगे। जिससे उन्हें बाकी 20 खिलाड़ी खरीदने होंगे। रिटेन हुए खिलाड़ियों में 2 प्लेयर्स 18-18 करोड़ रुपए, 2 प्लेयर्स 14-14 करोड़ और 1 प्लेयर 11 करोड़ में टीम का हिस्सा बनेगा। अनकैप्ड खिलाड़ी को 4 करोड़ में रिटेन किया जा सकेगा। यानी टीमें अगर 5 इंटरनेशनल प्लेयर्स को रिटेन करती हैं तो उन्हें 75 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे, इससे उनके पास 45 करोड़ बचेंगे। अनकैप्ड प्लेयर भी किसी भी देश का हो सकता है। 6 प्लेयर्स रिटेन करने पर टीमों को 79 करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे, इससे टीमों के पास 41 करोड़ ही बचेंगे। हर बार विदेशी और भारतीय प्लेयर रिटेन करने की लिमिट तय होती थी, हालांकि इस बार विदेशी और भारतीय प्लेयर्स को रिटेन करने की कोई लिमिट नहीं है। फ्रेंचाइजी चाहें तो पांचों भारतीय या पांचों विदेशी प्लेयर्स को भी रिटेन कर सकती हैं। अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने 5 साल पहले आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला हो, तो उन्हें ऑक्शन में अनकैप्ड प्लेयर के रूप में गिना जाएगा।

नेपाल को 4-2 से हराकर भारतीय टीम फाइनल में

सैफ अंडर-17 फुटबॉल

थिम्पु (भूटान). एजेंसी

मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए यहां खेले जा रहे सैफ अंडर-17 फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने नेपाल को 4-2 से शिकस्त दी। खास बात यह है कि मैच के सभी छह गोल दूसरे हाफ में हुए। भारत के लिए विशाल यादव (61वें और 68वें) ने सर्वाधिक दो गोल किए। ऋषि सिंह ने 85वें और हेमनिचुंग लुनकिम ने 90वें मिनट में गोल दागा। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच भिड़ंत होगी।

ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता लीग के फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे थे

नीरज चोपड़ा बोले- 'मेरी चोट अब ठीक है, अगला लक्ष्य 2025 विश्व चैंपियनशिप'

सोनीपत. एजेंसी

भारतीय स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने आगामी सत्र के लिए शत प्रतिशत फिट होने का वादा करते हुए कहा कि उनका अगला लक्ष्य 2025 टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पोडियम पर जगह बनाना है। ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता नीरज डायमंड लीग के फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे थे। अब वह स्वदेश लौट आए हैं। उन्होंने यहां एक समारोह में अपनी फिटनेस पर अपडेट देते हुए कहा कि मेरी चोट अब पहले से काफी

चोट से प्रभावित हुआ प्रदर्शन: नीरज पूरे साल मांसपेशियों की चोट से जूझते रहे और इससे ओलंपिक और डायमंड लीग फाइनल दोनों में उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ। डायमंड लीग फाइनल में उन्होंने टूटे हुए बाएं हाथ के साथ भी प्रतिस्पर्धा की थी। उन्होंने सत्र के अंत में डॉक्टरों से सलाह लेने की बात कही थी ताकि यह तय किया जा सके कि चोट से उबरने के लिए सर्जरी कराने की जरूरत होगी या नहीं।

तकनीक को सुधारने पर ध्यान: नीरज ने कहा वह अपनी तकनीक में सुधार करने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह साल चोटों से भरा रहा है लेकिन अब चोट अब ठीक है।

भारतीय पैडलर्स ने जीते 27 पदक

डब्ल्यूटीटे यूथ कंटेंडर

नई दिल्ली. एजेंसी

भारतीय युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने सऊदी अरब में डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह स्वर्ण, सात रजत और 14 कांस्य सहित कुल 27 पदक जीते हैं। टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार अंडर-19 बालिका एकल में वर्ग में भारत के सुहाना सैनी, तनीषा कोचा, सायली वानी और प्रीथा वर्तिकार ने जीत हासिल की। वहीं अंडर-19 बालक एकल में अंकुर भट्टाचार्जी ने रजत जीता, जबकि पी.बी. अभिनंद और जश मोदी ने कांस्य पदक जीता।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कल्कि ने किया चौंकाने वाला खुलासा, बोलीं- 'हां मैं शादीशुदा हूं और मेरी एक बेटी है...'

अभिनेत्री कल्कि केकलां ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा वह बॉयफ्रेंड गाय हर्शबर्ग से शादी कर चुकी हैं और उनकी 4 साल की बेटी भी है। अभिनेत्री कल्कि ने अपने बॉयफ्रेंड गाय हर्शबर्ग के साथ शादी करने को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है. उन्होंने कहा कि वह शादीशुदा हैं और उनकी एक बेटी है। आपको बता दें कि हाल ही में कल्कि ने एक बातचीत के दौरान कहा था कि उनका अपने बॉयफ्रेंड से शादी का कोई प्लान नहीं है, लेकिन अब उन्होंने कहा है कि वह शादी कर चुकी हैं और अपनी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं।

गाय हर्शबर्ग से शादी कर चुकी हैं कल्कि: कल्कि केकलां ने एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया है कि वह शादीशुदा हैं और उनकी चार साल की एक बेटी भी है। कल्कि ने कहा कि उन्होंने हर्शबर्ग से शादी कर ली है। मुझे बिना शादी के ही बच्ची होने को लेकर ट्रोल किया जाता था, लेकिन अब मेरे पास इस सब बातों के लिए समय नहीं है। कल्कि ने कहा, अब मैं शादीशुदा हूं और मेरी एक बेटी भी है। मुझे नहीं लगता कि मेरे पास इन सब बेकार बातों के लिए समय है। मुझे ऐसा लगता है कि ऐसा पहले होता था, हमारी अपनी कुछ सीमाएं और नियम होने चाहिए। कल्कि ने कहा कि एक ऐसा इंसान मिलना बहुत मुश्किल है जिसके साथ आप अच्छा महसूस करें।

अनुराग कश्यप से शादी को लेकर बोलीं कल्कि

कल्कि ने अपनी पहली शादी को लेकर बात की है। कल्कि ने कहा, मैं मानती हूं, तब मैं बहुत छोटी थी और मुझे ये सब बहुत मुश्किल लगता था। मैं हमेशा उनके साथ एक ऐसी जगह पर जाना चाहती थी, जो किसी की भी पहुंच के बाहर हो, लेकिन अब मुझे लगता है कि ये सब जीवन का हिस्सा है। अब मैं अपने जीवन को बहुत ही निजी रखना पसंद करती हूं।

मेट्रो बाजार

भारत में सबसे अधिक आईपीओ लॉन्च, करोड़ों जुटाने की तैयारी

मुंबई. एजेंसी

प्राइमरी प्राइमरी मार्केट की चमक न केवल भारतीय बाजार, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी निवेशकों को लुभी रही है। लंदन स्थित डेटा एनालिटिक्स फर्म ग्लोबलडेटा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अगस्त तक दुनियाभर में 822 आईपीओ के जरिए कंपनियों ने 65 अरब डॉलर जुटाए। यह राशि वर्ष 2023 की समान अवधि की तुलना में 17.4 फीसदी अधिक है, जब कंपनियों ने आइपीओ से 55.4 अरब डॉलर जुटाए थे। इस साल आइपीओ लॉन्च करने के मामले में भारत ने अमरीका-

चीन को भी पीछे छोड़ दिया है, हालांक राशि जुटाने के मामले में अमरीका अब भी टॉप पर है।

भारत में मेबनोर्ड और एसएमई आइपीओ मिलाकर 2024 के शुरुआती 8 महीनों में 227 आइपीओ लॉन्च हुए, जिसके जरिए कंपनियों ने 12.2 अरब डॉलर जुटाए, जबकि अमरीका में 133 आइपीओ ने 23.1 अरब डॉलर जुटाए। दिवाली तक हुंडई मोटर इंडिया, स्विगी और और एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी जैसी 3-4 बड़ी कंपनियां आइपीओ के जरिए 50,000 करोड़ रुपए से ज्यादा जुटाने की तैयारी में हैं। वहीं दिसंबर तक दर्जनों कंपनियों की आइपीओ से 60,000 से 65,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना है।

फंड जुटाने का रेकॉर्ड टूटेगा!: बड़ी कंपनियों के अलावा इस साल अंत तक हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज, अफकॉन्स इंफ्रा, टाटा प्ले और विशाल मेगा मार्ट सहित कई कंपनियां आइपीओ लॉन्च की योजना बना रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस साल आइपीओ से फंड जुटाने का रेकॉर्ड टूट सकता है और कंपनियां 1.30 लाख करोड़ रुपए जुटा सकती हैं। इससे पहले 2021 में कंपनियों ने सर्वाधिक 1.18 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे।

जहीर बोले- शत्रुघ्न को सामने देख मैं सब कुछ भूल गया था

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने 23 जून, 2024 को शादी की थी। अब जहीर ने एक इंटरव्यू में बताया है कि कैसे उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा से उनकी बेटी सोनाक्षी का हाथ मांगा था। एक्टर ने कहा, 'मैं बहुत घबराया हुआ था। मैंने शुद्ध हिंदी में बोलने की तैयारी की थी। लेकिन उनके (शत्रुघ्न सिन्हा) के सामने आते ही मैं सब कुछ भूल गया।

शुद्ध हिंदी में बोलने की तैयारी की थी

न्यूज़18 को दिए इंटरव्यू में एक्टर जहीर इकबाल ने कहा, 'मुझे जब सोनाक्षी का हाथ मांगने उनके घर जाना था। उस समय में बहुत घबराया हुआ था। मैंने खुद को हर स्थिति के लिए तैयार किया था। मैंने बहुत सारे मोनोलॉग बनाए। मैंने शुद्ध हिंदी में बोलने की तैयारी की थी। मतलब यह था कि मैं सोनाक्षी के पिता शत्रुघ्न सिन्हा को इम्प्रेस करना चाहता था।' जहीर ने कहा, 'मैं जब सोनाक्षी के घर पहुंचा और उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा जैसे ही मेरे सामने आए तो इतनी सारी तैयारी करने के बाद भी मैं बुरी तरह घबरा गया। कुछ मिनट के लिए तो भूल ही गया था कि बोलना क्या है? मैं फंबल करने लगा। लेकिन उन्होंने (शत्रुघ्न सिन्हा) मुझे रिलैक्स फील कराया। इसके बाद हमने काफी बातचीत भी की। ऐसे लगा रहा था कि जैसे हम दोस्त बन गए हो।'

दिलचस्प किस्सा

शादी से पहले पत्नी मृदुला के लिए लड़का देखने गए थे पंकज

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने एक बातचीत के दौरान साझा किया कि कैसे उन्हें अपनी ही पत्नी के लिए शादी से पहले लड़का देखने भेज दिया गया था। इसके बाद मृदुला ने कैसे शादी तोड़ी और उनके साथ दिल्ली में लड़कों के हॉस्टल में रहने पहुंच गई थीं। बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी अक्सर अपनी फिल्मों और परिवार की बातों को लेकर चर्चा में रहते हैं। पंकज त्रिपाठी ने बताया कि अपने स्ट्रगल के दिनों में उनको ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा था। पंकज ने कहा कि पत्नी मृदुला ने उनकी मदद की थी। पत्नी ने ही घर संभाल लिया था, जब वह इंडस्ट्री में काम ढूंढ रहे थे। इतना ही नहीं पंकज त्रिपाठी ने यह भी बताया कि एक बार उन्हें अपनी ही पत्नी का रिश्ता देखने के लिए भेज दिया गया था। पंकज ने कहा कि उन्हें अपनी शादी से पहले मृदुला की अरेंज मैरिज के लिए लड़का देखने भेज दिया गया था। मृदुला ने पंकज को भाई की सगाई में पहली बार देखा था। उन्हें बाद में पता चला पंकज दुल्हन के छोटे भाई हैं। दोनों का इसके बाद मिलना जारी रहा और प्यार हो गया। पंकज ने बताया कि मृदुला के परिवार वाले कुछ समय बाद ही उनकी शादी के लिए रिश्ता देख रहे थे। इस दौरान पंकज को भी भेजा था। वहीं मृदुला ने कहा, पंकज मेरे भाई और भाभी के साथ मेरे लिए लड़का देखने गए थे। वे जब लड़का देखकर आए तो उन्होंने कहा यह उनके लिए एक अच्छा रिश्ता है। उन्हें इस शादी के बाद 'भौतिक सुख' की कमी नहीं होगी। मुझे उस समय हिंदी नहीं आती थी, तब मैंने पंकज से पूछा इसका मतलब क्या होता है था। तब मुझे ऐसा लगा कि मैं कुछ बहुत कीमती खो दूंगी।

त्योहारी सीजन में सरकारी सलाह के बावजूद खाद्य तेलों में तेजी, अन्य चीजों के दाम भी बढ़े

नईदिल्ली. एजेंसी

खाद्य विभाग द्वारा त्योहारी सीजन के दौरान खाद्य तेल उद्योग संघों को कीमतों में वृद्धि न करने की सलाह देने के बावजूद खाद्य तेलों की कीमतों में प्रति लीटर 8 से 22 रुपए की बढ़ोत्तरी हो गई। विभाग ने उद्योग से यह अनुरोध किया था कि पर्याप्त पुराने स्टॉक मौजूद है, जो शून्य या कम आयात पर आयात किए थे इसलिए कीमतों को स्थिर रका जाए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 13 सितंबर को सोयाबीन, सूरजमुखी और पाम तेल पर आयात शुल्क बढ़ाने के केंद्र के फेसले के बाद पिछले दो हफ्तों में प्रमुख खाद्य तेलों की कीमतों में वृद्धि हुई है।

खोपरा गोला व बूरा के दाम घटे, शकर में आई तेजी

किराना बाजार में ग्राहकी कमजोर रहने से खोपरा गोला व बूरा में गिरावट आई। कम कोटा जाने के साथ ट्रक भाड़े बढ़ने से शकर के दाम तेज रहे। नवरात्र की ग्राहकी निकलने से बेस्ट क्वालिटी साबूदाना में 200 रुपए क्विंटल भाव तेज रहा। साबूदाना कारोबारियों का कहना है कि ग्राहकी निकलने से बाजार में तेजी आई है हालांकि यहां बाजार भाव स्थिर होगा।

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। टीटी नगर के पंचशील नगर में रविवार दोपहर निमार्णाधीन मकान में काम कर रहे कारीगर की हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। वह छत व दीवारों पर पीव्हीसी टाइल्स लगाने का काम कर रहा था। उसी दौरान मकान के सामने गुजरी हाइटेंशन लाइन से लोहे की रीप टच होने से वह करंट की चपेट में आ गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मूलरूप से इटारसी निवासी अशरफ खान पिता मकसूद खान (19) पीव्हीसी टाइल्स लगाने का करता था। वह इटारसी से भोपाल काम करने के लिए आया था और रविवार दोपहर पंचशील नगर स्थित एक निमार्णाधीन मकान में पीव्हीसी टाइल्स लगाने का काम कर रहा था। काम करने के दौरान अशरफ के हाथ से लोहे की रीप मकान के सामने से गुजरी 11 हजार केवी की हाइटेंशन लाइन से टकरा गई। करंट का जोरदार झटका लगने से अशरफ बेहोश हो गया था। उसे हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया।

स्वच्छता अभियान

भोपाल। आज वार्ड 65 आईटीआई प्राइवेट कॉलोनी में स्वच्छता ही सेवा है अभियान के तहत महापौर ने बैक लेन का निरीक्षण कर सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य आर के सिंह बघेल एवं निगम अधिकारी गण उपस्थित रहे।

वारदात के बाद रायसेन की दरगाह में ली थी पानाह

दिल्ली का शातिर गिन्नी गिरोह का सरगना आरोपी गिरफ्तार

चोरी करते पकड़ा तो पिस्टल दिखाकर पुलिस को धमकाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो। दिल्ली के कुख्यात राहुल गिन्नी गैंग ने भोपाल में फिल्मी अंदाज में 4 मकानों में 4 घंटे के अंदर 16 लाख रुपए की चोरी कर भाग निकले। अवधपुरी में मकान मालिक ने चोरी करते हुए पकड़ा तो उसे पिस्टल दिखाकर डरा दिया। गिरोह ने वारदात को अंजाम रैकी करने के बाद दिया। आरोपियों ने रायसेन की एक दरगाह को अपने ठहरने का ठीहा बनाया था। पिपलानी पुलिस ने गिरोह में शामिल टैक्सी चालक को गिरफ्तार किया है। वह लग्जरी कार से गिन्नी गैंग को दिल्ली से लेकर आया था।

जानकारी के मुताबिक, बीती 11 जून को अवधपुरी इलाके में बदमाशों ने दिनदहाड़े सिलसिलेवार तीन मकानों के ताले तोडकर करीब 16 लाख रुपए के जेवर-नकदी चोरी की थी। अवधपुरी इलाके में एक मकान में चोरी करते समय मकान मालिक पहुंच गया था। तभी आरोपी उसे पिस्टल दिखाकर डराते हुए भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों की कार की पहचान की। जिसके आधार पर गिरोह के एक साथी रवि यादव को गुडगांव से गिरफ्तार किया। रवि इस गिरोह का वाहन उपलब्ध कराने का काम करता था। गिन्नी गैंग ने उसे 2 लाख रुपए दिया था। पुलिस ने आरोपी के पास से दो कार बरामद की है।

वारदात के बाद नेपाल निकल जा रहे

दिल्ली पुलिस ने भोपाल पुलिस को बताया कि गिन्नी शातिर चोर है। इससे पहले वह दिल्ली, हरियाणा में मोबाइल लूट, चोरी कराता था। इन मोबाइल को वह नेपाल, बंगलादेश में खपा देते हैं। इसके अलावा बड़ी वारदात को अंजाम देने के बाद वह नेपाल में जाकर छिप जाते हैं। रवि को छोडकर गिन्नी के चार साथियों पर हत्या की कोशिश का मामला दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया है। आरोपियों ने दिल्ली में लग्जरी कार लूटने का प्रयास किया था। इसमें कार मालिक को गोली मारकर गायब हो गए थे। जब भोपाल पुलिस दिल्ली पहुंची तब गिन्नी गैंग की तलाश में हरियाणा पुलिस भी आई थी। हरियाणा में गिन्नी गैंग ने 11 लाख की डकैती को अंजाम दिया है।

दिल्ली पुलिस ने डराया, गिन्नी सीधे गोली मारता है...

आरोपियों को पकडऩे सब-इंस्पेक्टर संतोष रघुवंशी, आर दिव्याशु, सब-इंस्पेक्टर शिवबाबू त्रिपाठी, आरक्षक अहिवरन, शतीष गुर्जर, एएसआई अनिल दुबे, मुकेश पटेल दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पुलिस से संपर्ककर गिन्नी का घर पता किया। जहांगीरपुरी थाना पुलिस में गिन्नी का ठिकाना पता चला। जब भोपाल पुलिस ने दिल्ली पुलिस से गिन्नी के घर तक चलने के लिए मदद मांगी तो उन्होंने बताया कि गिन्नी कुख्यात बदमाश है। वह पुलिस को देखते ही गोली चला देता है। भलसुआ डेयरी के पास रहने वाला उसका साथ शोएब उससे भी खतरनाक है। बाद में भोपाल पुलिस दोनों के ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिली। गिन्नी, शोएब अपने दो अन्य साथियों को लेकर भोपाल पहुंचे थे। कार रवि यादव चला रहा था।

दिल्ली की नंबर प्लेट निकाल एमपी की लगाई

गैंग भोपाल पहुंचने पर दिल्ली परिवहन विभाग की नंबर प्लेट को हटा लिया। उसमें एमपी की फर्जी नंबर प्लेट लगा ली। इसके बाद वह पिपलानी में तीन वारदातों को अंजाम दिया। चौथी वारदात करने अवधपुरी कार से पहुंचे। वह घर का ताला तोडकर अंदर दाखिल हुए ही थे मकान मालिक पहुंच गया। तभी आरोपियों ने उसे पिस्टल दिखाकर डरा दिया। इसके बाद सभी कार से भाग निकले। सभी कार से जंबूरी मैदान पहुंचे। यहां, कार में लगी एमपी की नंबर प्लेट को बदलकर दिल्ली की फिर से लगा ली। इसके बाद भोपाल से भाग निकले। पुलिस ने कार को ट्रेस किया। लेकिन, उसमें लगी नंबर प्लेट एमपी की दिख रही थी। बाद में आउटर में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो उसमें कार में दिल्ली की नंबर प्लेट लगी दिखी। उसी से गाड़ी मालिक की पहचान हो सकी। पुलिस दिल्ली पहुंची। कार मालिक को बताया। उसने ड्राइवर रवि को फोन कर पूछा कि भोपाल क्यों गया था। तभी रवि मोबाइल बंद कर फरार हो गया। बाद में उसे गुडगांव से पुलिस ने पकड़ा।

रायसेन की दरगाह में ठहरे

गिन्नी गैंग ने 11 सितंबर को भोपाल में वारदात को अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपी रवि ने बताया कि वह गैंग को अपनी कार से लेकर चार दिन पहले भोपाल आ गया था। रायसेन की मजार में सभी लोग ठहरे थे। दिन में भोपाल रैकी कर वापस रायसेन चले जाते थे।

ट्रेन में चढ़ते समय जेब से निकाला पर्स

चार लोगों की जेब से 45 हजार के मोबाइल चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रेलवे स्टेशन और चलती ट्रेनों में लोगों के सामान चोरी होने का सिलसिला जारी है। पिछले दिनों चार लोगों की जेब से 45 हजार के मोबाइल फोन चोरी हो गए। इसी दौरान ट्रेन में चढ़ने के दौरान एक व्यक्ति की जेब से नोटों भरा पर्स चोरी चला गया। जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी इकबाल खान प्लेटफार्म क्रमांक 3 पर स्थित एक स्टाल पर काम करता है। पिछले दिनों वह रात के समय काम करने के बाद प्लेटफार्म पर सो गया था। रात करीब ढाई बजे नींद खुली तो जेब में रखा मोबाइल फोन गायब था।

विदिशा निवासी मोनू विंध्याचल एक्सप्रेस के जनरल कोच में भोपाल से विदिशा की यात्रा कर रहा था। इस दौरान उसने अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पर लगाकर बाथरूम चला गया। वापस लौटा तो मोबाइल चोरी हो चुका था। इसी प्रकार विदिशा निवासी राजकुमार इंदौर जाने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचा था। ट्रेन लेट होने के कारण वह प्लेटफार्म क्रमांक 6 के वेटिंग हाल में बैठा था।

नींद लगते ही जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी हो गया। इसी प्रकार खंडवा निवासी संदीप पेपर देने के लिए भोपाल आया था। रात ज्यादा होने के कारण वह रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 1 स्थित मुसाफिर खाने में जाकर सो गया। इसी बीच किसी ने पैंट की जेब में रखा मोबाइल चोरी कर लिया। चोरी गए चारों मोबाइलों की कीमत करीब 45 हजार रुपये बताई गई है। पैंट की जेब में रखा पर्स चोरी विदिशा निवासी मुकेश बाबू रघुवंशी भोपाल रेलवे स्टेशन पर अमरकंटक एक्सप्रेस के आगे तरफ जनरल कोच में सवार हुए।

गाड़ी हटाने की बात पर युवक से मारपीट

अशोका गार्डन में गाड़ी हटाने की बात को लेकर तीन लोगों ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी। पुलिस के मुताबिक दीपक सिंह (39) न्यू राजीव नगर सेमरा में रहता है और स्वयं की ओला कार चलाता है। शनिवार सुबह करीब छह बजे वह कार चलाने के बाद घर पहुंचा था। उसे अपनी कार धोनी थी। पड़ोस में रहने वाले दयानंद से उसने अपनी बोलेरो जीप हटाने का बोला तो उन्होंने जीप हटाने से इंकार कर दिया। इसी बीच उनके दोनों बेटे भी पहुंच गए और दीपक के साथ झूमाझटकी कर दी।

सड़क हादसे में घायल किसान की मौत

भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में बाइक सवार किसान को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल किसान को इलाज के लिए अस्पतालभर्ती कराया गया, वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। टक्कर मारने वाले वाहन का पता नहीं चल सका है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार भौंरी गांव निवासी हुकुम सिंह (47) खेती किसानी करते थे। शनिवार दोपहर वह खेत पर जाने का कहकर घर से निकले थे। शाम करीब छह बजे सीहोर नाका ग्राम बरखेड़ा बोंदर के पास वह घायल अवस्था में मिले। पास ही उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी मिली थी।

जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम....

पुरुषों को संवेदनशील बनाने नगर सुरक्षा समितियों का प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बालिकाओं व महिलाओं पर होने वाली यौन हिंसा व अपराध की रोकथाम, जेंडर सेंसिटाइजेशन के लिए नगर एवं ग्राम रक्षा समिति की क्षमता विकास करने सामुदायिक पुलिस प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में गांधीनगर, निशातपुरा, खजूरी, छोला एवं थाना बैरागढ़ के नगर सुरक्षा समिति के 200 सदस्य शामिल हुए। आयोजित कार्यक्रम में जिम्मेदार के महत्व पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में एनजीओ मुस्कान की तरफ से राशी आसवानी, सीमा देशमुख व एनजीओ आरंभ की और से फुर्कान अंसारी द्वारा महिला सुरक्षा, सड़क सुरक्षा और प्राथमिक चिकित्सा जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त जोन फोर जितेन्द्र सिंह पवार, सहायक पुलिस आयुक्त बैरागढ़ अनिल कुमार शुक्ला, सहायक पुलिस आयुक्त निशातपुरा ऋचा जैन, थाना प्रभारी निशातपुरा रूपेश दुबे, थाना प्रभारी गांधीनगर सुरेश फरखले, थाना प्रभारी छोलामंदिर सुरेश चंद्र नगर, थाना प्रभारी बैरागढ़ कंवलजीत सिंह रंधावा सम्मिलित हुए। साथ ही नगर रक्षा समिति के शिवनारायण व्यास जिला संयोजक नगर सुरक्षा समिति जीवन सिंह थाना संयोजक गांधीनगर अशोक दरबार थाना संयोजक बैरागढ़ रमेश साहू थाना संयोजक छोलामंदिर संदरसिंह राजपूत थाना संयोजक निशातपुरा प्रकाश चौहान थाना संयोजक खजुरी सड़क ने भी कार्यक्रम के सुगम संचालन में भूमिका निभाई।

मक्सी गांव में मिले शव की शिनाख्त पांच दिन पहले घर से निकला था मृतक

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित मक्सी गांव में बायपास स्थित नाले में शनिवार दोपहर मृत मिले युवक की शिनाख्त कर ली गई है। मृतक गाडरवाड़ा के गांव साईखेडा का था। यहां वह कैसे पहुंचा किसी को इसकी जानकारी नहीं है। मृतक का दाहिना पैर फैक्चर था। इसके अलावा शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले है। पुलिस ने मर्ग कामम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन उसका शव लेकर अपने गांव ले गए। पुलिस के अनुसार शनिवार दोपहर पुलिस ने मक्सी गांव बायपास के नाले से एक शव बरामद किया गया। मृतक की तलाशी लेने पर उसके पास से आयुष्मान कार्ड मिला। कार्ड के आधार पर पुलिस ने परिजन से संपर्क किया। रविवार को परिजन सांईखेड़ा से भोपाल पहुंचे। मृतक की पत्नी ममरे भाई ने बताया कि मृतक रामबाबू कुशवाह पिता श्रीलाल कुशवाह (35) है।

मेट्रो एंकर

आरोपी ने किसी से कहने पर जान से मारने की दी थी धमकी

घर में घुसकर नाबालिग से दुष्कर्म, 2 महीने बाद की शिकायत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में 16 साल की किशोरी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना दो महीने पहले 30 जुलाई की बताई जा रही है। पीड़िता को आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी थी। इसी डर के कारण वह शिकायत दर्ज नहीं करा सकी। अब आरोपी दौबारा उस पर संबंध बनाने के लिए दबाव बनाने लगा तो पीड़िता ने परिजन को बताया। परिजर उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 16 साल की किशोरी इलाके में रहती है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि राहुल मीणा उसके मोहल्ले में रहता है। गत 30 जुलाई की दोपहर माता-पिता घर से बाहर थे। इस बीच आरोपी राहुल घर पर पहुंचा और डरा धमकाकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। उसने किसी से कहने पर जान से मारने की धमकी दी थी। अब आरोपी उस पर दौबारा संबंध बनाने का दबाव बना रहा था।

तीन तलाक कहकर पत्नी से रिश्ता किया खत्म

इसी थाना क्षेत्र स्थित गांव बवचिया में शादी के 25 साल बाद पत्नी को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पत्नी की शिकायत पर पति के खिलाफ मुस्लिम विवाह संरक्षण अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 45 साल की कौसर बी बवचिया गांव में रहती हैं। उनका निकाह मुस्लिम रीति रिवाज से 25 साल पहले हुई थी। दोनों के बच्चे भी हैं। दंपती में आए दिन छोटी मोटी बातों को लेकर विवाद होता था। रविवार को भी दंपती के बीच विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पत्नी को तीन बार तलाक कहकर संबंध खत्म कर दिए। पत्नी और रिश्तेदारों ने पति को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह समझने का तैयार नहीं था।

परिजन से बिछड़ी मानसिक रोगी महिला, पुलिस ने सकुशल घरवालों तक पहुंचाया

एक सप्ताह पहले बैतूल से भोपाल इलाज के लिए आई एक मानसिक रोगी महिला अपने परिजनों से बिछड़ गई। महिला थाना पुलिस ने उसके घरवालों को तलाश कर सकुशल सौंप दिया है। महिला अपने घर का नाम और पता ठीक से नहीं बता पा रही थी। एक मंदिर के पुजारी ने महिला को पहचानने के बाद घरवालों की जानकारी दी। शनिवार की शाम करीब 6 बजे एक राहगीर ने महिला थाना पहुंचकर बताया कि होमगार्ड कार्यालय के गेट के बाहर एक महिला काफी समय से बैठी हुई है और रो रही है। थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने तत्काल ही स्टाफ को भेजकर महिला को थाने बुलवाया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022